सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरूआत, श्रीकांत भी पेज: 7

ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 283 | गुरुवार 22 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

गणतंत्र दिवस तैयारियों के मद्देनजर कुछ घंटे बंद रहेगा पटियाला हाउस कोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी: नयी दिल्ली बार एसोसिएशन ने बुधवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के लिए की जा रही तैयारियों के तहत यहां स्थित पटियाला हाउस कोर्ट कुछ दिन कुछ घंटे के लिए बंद रहेगा। बार एसोसिएशन के सचिव तरुण राणा द्वारा हस्ताक्षरित सार्वजनिक सूचना में कहा गया, माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियों के संबंध में, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने आदेश दिया है कि पटियाला हाउस कोर्ट परिसर स्थित नयी दिल्ली (जिला) अदालत 22 जनवरी को अपरा 2 बजे से 23 जनवरी को अपरा 2 बजे तक बंद रहेगी। इसमें यह भी कहा गया है कि अदालत 25 जनवरी को अपरा 2 बजे से 26 जनवरी को अपरा 2 बजे तक बंद रहेगी।

मोदी कैबिनेट ने लिये दो बड़े फैसले, अटल पेंशन योजना का किया विस्तार, एमएसएमई को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने का रास्ता भी किया साफ

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज दो अहम और दूरगामी फैसले लिए गए जिनका सीधा असर देश के करोड़ों मेहनतकश लोगों और छोटे उद्यमियों पर पड़ेगा। एक ओर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे की सुरक्षा देने वाली अटल पेंशन योजना को वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है वहीं दूसरी ओर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने के लिए स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया को 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता मंजूर की गई है। कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को आगे बढ़ाते हुए इसके प्रचार प्रसार, क्षमता निर्माण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए सरकारी सहयोग जारी रखने का फैसला किया है। इसके साथ ही

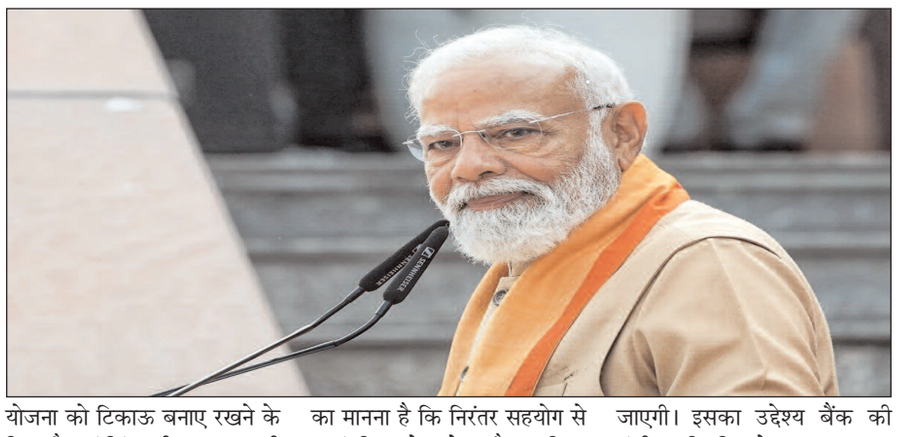

योजना को टिकाऊ बनाए रखने के लिए गैप फंडिंग की व्यवस्था भी जारी रहेगी। हम आपको बता दें कि वर्ष 2015 में शुरू हुई यह योजना 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 से 5000 रुपये मासिक पेंशन की गारंटी देती है। जनवरी 2026 तक इस योजना से 8 करोड़ 66 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। सरकार का मानना है कि निरंतर सहयोग से असंगठित क्षेत्र के और अधिक श्रमिकों तक इसका लाभ पहुंचेगा और देश एक पेंशनयुक्त समाज की ओर मजबूत कदम बढ़ाएगा। वहीं दूसरे बड़े फैसले के तहत स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया को 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी तीन चरणों में दी जाएगी। इसका उद्देश्य बैंक की पूंजीगत स्थिति को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र को अधिक ऋण उपलब्ध कराना है। इस पूंजी निवेश के बाद वर्ष 2028 तक लगभग 25 लाख 74 हजार नए एमएसएमई लाभार्थी जुड़ने की उम्मीद है। मौजूदा औसत के अनुसार इससे करीब 1 करोड़ 12 लाख नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। सरकार के अनुसार मजबूत पूंजी आधार से बैंक सस्ती दरों पर संसाधन जुटा सकेगा और छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धी लागत पर ऋण मिलेगा। देखा जाये तो आज के ये दोनों फैसले जनहित और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा के सूत्र में बँधे हैं। अटल पेंशन योजना का विस्तार यह स्वीकार करता है कि भारत की असली अर्थव्यवस्था आज भी असंगठित क्षेत्र के कंधों पर टिकी है। रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, रेहड़ी पटरी वाले, खेत मजदूर या छोटे कारीगर, इनके लिए बुढ़ापा अक्सर असहायता का दूसरा नाम रहा है। सरकार द्वारा इस योजना को 2030 तक बढ़ाना दरअसल इस वर्ग को यह भरोसा देना है कि काम करने की उम्र बीत जाने के बाद भी जीवन की गरिमा बनी रहेगी। यह फैसला केवल पेंशन तक सीमित नहीं है। प्रचार और क्षमता निर्माण पर जोर यह संकेत देता है कि सरकार चाहती है कि अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी वित्तीय सुरक्षा की भाषा समझे। जब करोड़ों लोग नियमित बचत और पेंशन व्यवस्था से जुड़ते हैं तो यह देश को सामाजिक सुरक्षा के मजबूत ढांचे की ओर ले जाता है। विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा जब विकास का फल सिर्फ वर्तमान पीढ़ी ही नहीं बल्कि भविष्य की वृद्ध पीढ़ी तक भी पहुंचे। उधर, स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया को दी गई इक्विटी सहायता भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कन कहे जाने वाले एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। छोटे उद्योग केवल उत्पादन के केंद्र नहीं होते बल्कि रोजगार के सबसे बड़े स्रोत भी होते हैं। जब बैंक की पूंजी मजबूत होगी तो वह जोखिम उठाने में सक्षम होगा और छोटे उद्यमियों तक बिना जमानत डिजिटल ऋण पहुंचा सकेगा। इससे स्टार्टअप से लेकर पारंपरिक कुटीर उद्योग तक सभी को फायदा मिलेगा।

सरकारी सहयोग जारी रखने का फैसला किया...

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को आगे बढ़ाते हुए इसके प्रचार प्रसार, क्षमता निर्माण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए सरकारी सहयोग जारी रखने का फैसला किया है। इसके साथ ही योजना को टिकाऊ बनाए रखने के लिए गैप फंडिंग की व्यवस्था भी जारी रहेगी।

बीएमसी में शिंदे-बीजेपी को घेरने की तैयारी, पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर बनीं यूटीबी की ग्रुप लीडर

मुंबई एजेंसी: मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों की नेता चुनी गई हैं। इससे उद्धव ठाकरे के गुट को नगर निकाय के नेतृत्व में एक अनुभवी चेहरा मिल गया है। उनकी नियुक्ति बुधवार (21 जनवरी) को एक संवेदनशील राजनीतिक माहौल में हुई है, जब मुंबई महापौर पद की लड़ाई तेज हो गई है और गठबंधन दबाव में हैं। समूह नेता के रूप में पेडनेकर बीएमसी के भीतर सभी शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों की रणनीति, सदन प्रबंधन और राजनीतिक रुख का समन्वय करेंगी। यह पद उन्हें शासन, वित्त और नीति संबंधी बहसों में उद्धव ठाकरे के खेमे की प्रमुख आवाज बनाता है, और

सत्तारूढ़ महायुति (भाजपा-शिवसेना) गठबंधन के साथ किसी भी बातचीत या टकराव में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। महापौर के रूप में उनका पूर्व अनुभव उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के बीच पहचान, प्रशासनिक दक्षता और विश्वसनीयता प्रदान करता है। मुंबई मेयर पद की हाई-वोल्टेज दौड़ के बीच चुना गया पेडनेकर की नियुक्ति मुंबई के शक्तिशाली मेयर पद के लिए चल रहे तनावपूर्ण मुकाबले के बीच हुई है। हाल ही में हुए चुनावों में भाजपा-शिव सेना (शिंदे) गठबंधन ने देश के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को समाप्त कर दिया है। भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिव सेना के पास स्पष्ट बहुमत है और उद्धव का गुट विपक्ष में चला गया है। ऐसे में पेडनेकर जैसे अनुभवी नेता का आना, मुंबई नगर निगम पर नियंत्रण खोने के बावजूद, यूबीटी खेमे को एकता और मजबूती का प्रदर्शन करने में मदद करता है। फोन टैपिंग के आरोपों से राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। उनके चुनाव का माहौल शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के आरोपों से और भी संवेदनशील हो गया है। राउत ने भाजपा पर अपने पार्षदों के साथ-साथ एक आलीशान होटल में ठहरे शिवसेना सदस्यों के फोन टैप करने का आरोप लगाया है। राउत के अनुसार, पार्षदों पर लगातार नजर रखी जा रही है और मुंबई के अगले महापौर का चुनाव दिल्ली से तय किया जा रहा है, जिसे वे महाराष्ट्र का अपमान बताते हैं।

शौर्य पथ: भारतीय हथियार पर बढ़ रहा दुनिया का भरोसा, आर्मीनिया भेजे गये पिनाका रॉकेट सिस्टम

नई दिल्ली एजेंसी: भारत के रक्षा निर्यात की कहानी में एक नया अध्याय तब जुड़ा जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नागपुर की एक इकाई से पिनाका निर्देशित रॉकेट प्रणाली की पहली खेप को रवाना किया। यह खेप ऑर्मेनिया के लिए है और इसे भारत की उभरती सामरिक क्षमता तथा वैश्विक भरोसे का ठोस संकेत माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि बहु नली रॉकेट लांचर पिनाका अपनी सटीकता और लंबी मारक क्षमता के लिए जाना जाता है। इसके उन्नत संस्करण अब 75 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने में सक्षम हैं जबकि हालिया परीक्षणों में इसकी सीमा 120 किलोमीटर तक पहुंची है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिनाका मिसाइलों का निर्यात नागपुर स्थित सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस

इकाई में विकसित स्वदेशी क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत अब केवल आयातक नहीं रहा बल्कि तेजी से निर्यातक देश बन रहा है। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जहां दस वर्ष पहले रक्षा निर्यात एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था वहीं अब यह बढ़कर 24 हजार करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। इसी अवधि में घरेलू रक्षा उत्पादन 2014 के 46 हजार 425 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। हम आपको बता दें कि भारतीय थल सेना पहले ही पिनाका एमके वन एन्हांस्ड संस्करण को अपने बेड़े में शामिल कर चुकी है। यह प्रणाली मूल रूप से 37.5 किलोमीटर की मारक क्षमता के साथ विकसित हुई थी लेकिन समय के साथ इसमें लगातार सुधार हुआ। अब सेना लगभग 2500 करोड़ रुपये के प्रस्ताव के तहत 120 किलोमीटर मारक क्षमता वाले रॉकेट शामिल करने की तैयारी में है। दिसंबर 2025 में इन रॉकेटों का सफल परीक्षण किया गया और खास बात यह है कि इन्हें उसी लांचर से दागा जा सकता है जिससे अभी 40 और 75 किलोमीटर तक के लक्ष्य साधे जाते हैं।

हम आपको याद दिला दें कि सितंबर 2022 में भारत और ऑर्मेनिया के बीच लगभग 2000 करोड़ रुपये का समझौता हुआ था जिसके तहत चार पिनाका बैटरियां, टैंक रोधी रॉकेट, गोला बारूद और अन्य उपकरण शामिल थे। बिना दिशा-निर्देश वाले पिनाका रॉकेट की आपूर्ति जुलाई 2023 से शुरू होकर नवंबर 2024 तक पूरी हो चुकी है। अब निर्देशित रॉकेट की पहली खेप भेजी गई है।

ममता बनर्जी ने जिलाधिकारियों को एसआईआर पर न्यायालय के निदेर्शों का सख्ती से पालन करने को कहा

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को जिलाधिकारियों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों का सख्ती से पालन करने को कहा और इस बात पर जोर दिया कि लोगों को तार्किक विसंगतियों के नाम पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी । उन्होंने बताया कि बनर्जी दोपहर के समय राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की अध्यक्षता में जिलाधिकारियों के साथ हो रही बैठक में अप्रत्याशित रूप से शामिल हुईं। अधिकारी ने कहा, उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर से संबंधित सभी सुनवाई उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार ही की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि तार्किक विसंगतियों के बहाने लोगों को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने

कहा कि एसआईआर की सुनवाई के कारण लोगों को तार्किक विसंगतियों को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, और इस मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा वैध घोषित किए गए दस्तावेजों को सुनवाई के दौरान बिना किसी अपवाद के स्वीकार किया जाना चाहिए। जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि दस्तावेज जमा करने के बाद रसीद जारी करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि निर्धारित तिथियों पर सुनवाई में शामिल होने में असमर्थ मतदाताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए।

लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न को न्यू नॉर्मल मान लिया गया है: राहुल गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे की स्थिति को लेकर बुधवार को दावा किया कि देश में लालच की महामारी फैल चुकी है और समाज मर रहा है क्योंकि शहरी सड़न को न्यू नॉर्मल (अब सामान्य बात) मान लिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पत्रकार का वीडियो का साझा किया जिसमें दिल्ली के किराड़ी इलाके में में कई घरों के सामने पानी और कचरा जमा होने का उल्लेख किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हर आम भारतीय की जिंदगी आज ऐसी ही नर्क की यातना बन गई है। सिस्टम सत्ता के सामने बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और मिलकर जनता को रौंदते हैं। उन्होंने कहा, देश में लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न जिसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़न को न्यू नॉर्मल मान लिया है, सुन्न, निशब्द, बेपरवाह। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही की मांग करो, वरना यह सड़न हर दरवाजे तक पहुंचेगी।

पीएम मोदी के 'अच्छे दोस्त' ट्रम्प का नया दावा, जयराम रमेश बोले- 'जबरन गले लगने' का नतीजा!

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों की आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप ने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए 70 बार दावा किया है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि एक दिन पहले तक ट्रंप ने ऑपरेशन को रोकने में 68 बार अपनी संलिप्तता का दावा किया था, जो व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के शुरूआती बयान और बाद में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान अचानक बढ़कर 70 हो गया। रमेश ने लिखा कि कल से पहले यह संख्या 68 थी। हालांकि, कल ही यह आंकड़ा 69 तक नहीं पहुंचा, बल्कि सीधे 70 हो गया, व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के शुरूआती बयान और बाद में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ट्रंप को गले लगाने के स्वागत भाव पर भी कटाक्ष किया। रमेश ने आगे कहा, "प्रधानमंत्री के 'अच्छे दोस्त', जिन्हें

प्रधानमंत्री के जबरन गले लगाने का भी कई बार सामना करना पड़ा है, ने इतनी बार दावा किया है कि 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के अचानक और अप्रत्याशित रूप से रुकने के लिए वे अकेले ही जिम्मेदार थे।"<यह घटना मंगलवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस द्वारा जारी "365 दिनों में 365 जीत" नामक दस्तावेज के बाद सामने आई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष की उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। इस दस्तावेज में "विश्व मंच पर अमेरिकी नेतृत्व को पुनः स्थापित करना" खंड के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच "युद्धविराम कराने" के ट्रम्प के बार-बार किए गए दावे को उनकी प्रमुख सफलताओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। बाद में, जब ट्रम्प ने शासन के एक वर्ष पूरे होने पर प्रेस को संबोधित किया, तो उन्होंने अपने दावे को दोहराया। हालांकि, इस बार उन्होंने संघर्ष में गिराए गए विमानों की संख्या सात से बढ़ाकर आठ कर दी। उन्होंने कहा, "मैंने 10 महीनों में आठ ऐसे युद्ध समाप्त किए जो समाप्त होने योग्य नहीं थे। पाकिस्तान और भारत। वे सचमुच एक-दूसरे से लड़ रहे थे।

जन गण मन: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती क्या सचमुच शंकराचार्य नहीं हैं? आखिर क्या कहा था सुप्रीम कोर्ट ने?

प्रयागराज एजेंसी: प्रयागराज माघ मेला क्षेत्र में रविवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में स्नान के दौरान रोके जाने का आरोप लगा। इस घटना के बाद मेला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थकों के बीच विवाद गहरा गया। इसके बाद प्रशासन ने सोमवार को एक नोटिस जारी कर उनसे यह स्पष्ट करने को कहा कि वह अपने नाम के साथ शंकराचार्य की उपाधि किस आधार पर उपयोग कर रहे हैं? प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में इस विषय से संबंधित एक अपील लंबित है। हम आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश में यह निर्देश दिया था कि अंतिम निर्णय तक ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य पद पर किसी भी धार्मिक नेता का अभिषेक नहीं किया जाएगा। नोटिस के अनुसार वर्तमान स्थिति में यह स्पष्ट है कि किसी को विधिवत शंकराचार्य घोषित नहीं किया गया है, इसके बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने शिविर में स्वयं को ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य दर्शाने वाला बोर्ड लगाया है। उत्तर प्रदेश प्रशासन ने इसे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना माना है और 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। इस घटना के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने

भोजन और जल त्याग कर विरोध शुरू कर दिया। उनके मीडिया प्रभारी ने दावा किया कि उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से पहले ही शंकराचार्य घोषित किया जा चुका था और प्रशासन द्वारा रोका जाना अनुचित है। दूसरी ओर मेला प्रशासन का कहना है कि स्वामी और उनके समर्थकों ने बैरिकेड तोड़ कर संगम नोज तक पहुंचने की कोशिश की, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन सकती थी। प्रशासन के अनुसार मुख्य स्नान पर्व पर किसी भी वाहन या पालकी की अनुमति नहीं थी और सुरक्षा कारणों से हस्तक्षेप करना आवश्यक था। मेला अधिकारी ने यह भी कहा कि कई अन्य साधु संतों ने शांतिपूर्ण ढंग से स्नान किया और

प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में इस विषय से संबंधित एक अपील लंबित है। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश में यह निर्देश दिया था कि अंतिम निर्णय तक ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य पद पर किसी भी धार्मिक नेता का अभिषेक नहीं किया

किसी के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं हुआ। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि करोड़ों श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। उधर, इस पूरे प्रकरण पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं, जहां कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधते हुए इसे संत के अपमान का मुद्दा बनाया है वहीं कुछ साधु संतों की ओर से भी इस मुद्दे पर सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया गया है। देखा जाये तो इस पूरे विवाद को भावनाओं की बजाय तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के आधार पर देखने की आवश्यकता है। शंकराचार्य की उपाधि केवल धार्मिक सम्मान नहीं, बल्कि एक संस्थागत पद है, जिसकी परंपरा, विधि और स्वीकृति का एक स्पष्ट ढांचा है। जब इस पद को लेकर विवाद न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हो, तब किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वयं को शंकराचार्य घोषित करना न केवल विवाद को बढ़ाता है, बल्कि विधि के शासन की भावना के भी विरुद्ध जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य कहने पर रोक इसलिए लगाई क्योंकि उनके चयन और अभिषेक की प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। अदालत के समक्ष यह प्रश्न है कि क्या उन्हें परंपरागत और मान्य प्रक्रिया के अनुसार ज्योतिष पीठ का उत्तराधिकारी घोषित किया गया था या नहीं? जब तक इस प्रश्न का अंतिम निपटारा नहीं हो जाता, तब तक यथास्थिति बनाए रखना न्यायिक विवेक का हिस्सा है। इसे किसी व्यक्ति विशेष के सम्मान पर आघात के रूप में नहीं, बल्कि संस्था की गरिमा और परंपरा की रक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

बंगाल 'महाजंगलराज' नहीं

बेशक करीब 6800 कंपनियों और लघु उद्योगों ने अपने दफ्तर, कारखाने, ढांचे आदि पश्चिम बंगाल से खत्म किए हैं और महाराष्ट्र, गुजरात में स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मौजूदा कार्यकाल में ही करीब 2300 कंपनियों ने बंगाल को छोड़ा है। यह औद्योगिक विकास की नकारात्मक स्थिति है, लेकिन इसके समानांतर का यथार्थ यह भी है कि आईटी, सॉफ्टवेयर क्षेत्र में इन्फोसिस सरीखी वैश्विक कंपनी कोलकाता में अपना औद्योगिक तंबू गाड़ रही है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह रिलायंस ने बंगाल में निवेश की घोषणा की है। सीमेंट और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों की कंपनियां बंगाल में अपने ढांचे स्थापित कर रही हैं। बेशक 2006-08 के दौर में बंगाल के सिंगूर इलाके में टाटा समूह को 'नैनो कार' का संयंत्र उठाना पड़ा और वह गुजरात के साणंद में पुनःस्थापित किया गया। यह राजनीतिक युद्ध का विवाद बना और सर्वोच्च अदालत के दखल से किसानों की करीब 1000 एकड़ जमीन वापस करनी पड़ी। दुर्भाग्य और विडंबना है कि उसमें से करीब 300 एकड़ जमीन पर ही खेती हो पा रही है। ऐसे परिदृश्य में दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि पश्चिम बंगाल 'उद्योगहीन' राज्य है। यह तथ्यहीन प्रचार है, क्योंकि बंगाल देश की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसकी औसत विकास दर करीब 12 फीसदी है। यह राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बंगाल का योगदान 6.15 फीसदी है। हालांकि यह योगदान कभी 10 फीसदी से अधिक होता था। पश्चिम बंगाल की गिनती गरीब राज्यों में की जाती है, क्योंकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 1 लाख रुपए से भी कम है। हालांकि राज्य की जीडीपी 20.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक है और 2030 तक 400 अरब अमरीकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। बंगाल में खनिजों के प्रचुर भंडार हैं। चावल, चाय, कपड़ा, जूट, कोयला, लौह और आईटी उद्योगों पर आधारित अर्थव्यवस्था एक मिश्रित, सामाजिक बाजार की अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल पर 'महाजंगलराज' का गंभीर आरोप चस्पा किया है। यह भी जनता को बताया है कि 100 घरों में से औसतन 4 घरों में ही 'नल का जल' है, जबकि यह हकीकत नहीं है। प्रधानमंत्री की 'नल से जल' योजना की शोधपरक रपट सार्वजनिक की जाए, तो ढेरों छिद्र सामने आएंगे और योजना के भ्रष्ट आचरण की कलई खुलेगी। बहरहाल आज विषय यह नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार, 18 जनवरी को बंगाल में चुनावी शंखनाद की शुरूआत की है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को विदा करने का आह्वान किया है। बंगाल में कानून व्यवस्था के निकम्मेपन, सांप्रदायिक तनाव और हिंसा, घुसपैठ, बांग्लादेशी, रोहिंग्या सरीखे अवैध प्रवासियों का संरक्षण तथा वोट बैंक, भ्रष्टाचार आदि के हालात समझ में आते हैं।

सनत जैन

वैश्विक व्यापार में स्वदेशी करंसी का महत्व बढ़ा...

वर्ष 2026 वैश्विक व्यापार को लेकर एक नई आधार शिला रखने की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। दुनिया के सैकड़ों मुल्क वैश्विक लेन-देन में डॉलर की एक ध्रुवीय व्यवस्था से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से सैन्य ताकत, आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव के जरिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अपने हितों के अनुसार संचालित कर एक अलग तरीके का दबाव बनाकर आतंक पैदा कर रहे थे। अमेरिका के साथ नाटो के देश भी इसमें शामिल हो जाते थे। अब यही रणनीति उनके लिए चुनौती बनती जा रही है। कई देश इस ह्रदादागिरीह्व के खिलाफ खुलकर खड़े होकर वैकल्पिक लेन-देन की व्यवस्था करने लगे हैं। जिसका असर अमेरिका के ऊपर स्पष्ट रूप से पड़ता हुआ दिख रहा है। डॉलर एवं यूरो मुद्रा का लेन-देन दिन-प्रतिदिन कम होता चला जा रहा है। मुद्रा का उपयोग अमेरिका और यूरोपीय समुदाय ने प्रतिबंध के लिए करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष ने अमेरिका और इजराइल की दोहरी अंतराष्ट्राय व्यवस्था का बात का जाता ह। वहा दूसरा ओर अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिबंध, एसेट फ्रीज और सैन्य हस्तक्षेप कर कई देशों के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की गई है। रूस के सेंट्रल बैंक के अरबों डॉलर के एसेट्स को फ्रीज करना इसी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमेरिका और यूरोप के देशों की इस कार्रवाई से न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर सवाल खड़े हुए, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी दिखा दिया गया, कि पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरे में डाल सकती है। इसी दादागिरी के कारण वैश्विक व्यापार में लोकल करंसी के उपयोग का महत्व तेजी से बढ़ा है। ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार अब डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं में बढ़ता चला जा रहा है। रूस-चीन के व्यापार का बड़ा हिस्सा रूबल और युआन में हो रहा है। वहीं पश्चिम एशिया में ऊर्जा व्यापार के लिए भी डॉलर के विकल्प की तलाश हो रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। इससे अमेरिकी और यूरोपीय देशों के प्रतिबंध के असर और जोखिम को सीमित करने की कोशिश लगभग 40 देशों में शुरू हो गई है। विभिन्न देश अपनी करंसी में व्यापार को महत्व देने लगे हैं। इसका एक बड़ा लाभ यह है, विकासशील देशों पर डॉलर का दबाव कम होता जा रहा है। मुद्रा की अस्थिरता का जोखिम भी कम हो रहा है। इस नई व्यवस्था से विभिन्न देशों को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों पर भरोसा बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वैकल्पिक भुगतान प्रणालियो में चीन का सीआईपीएस रूस का, एसपीएफएस और भारत का यूपीआई का प्रभाव तेजी के साथ वैश्विक इजराइल-हमास युद्ध क दारान अमारका द्वारा सयुक्त राष्ट्र में बार-बार वीटो का इस्तेमाल करने से वैश्विक असंतोष और विभिन्न देशों के बीच में असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। जिसके कारण डॉलर के स्थान पर मिश्रित मुद्राओं में वैश्विक व्यापार की नई शुरूआत हो गई है। ग्लोबल साउथ के देशों में यह धारणा बन चुकी है, कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं निष्पक्ष तरीके से अपना काम नहीं कर रहीं हैं। यही कारण है कि अब कई देश पश्चिमी दबदबे को चुनौती देने के लिए आर्थिक सहयोग और वैश्विक लेन-देन में मिश्रित मुद्राओं के जरिए लेन-देन करने की ओर बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर अमेरिका, यूरोपीय देश और इजराइल की आक्रामक नीतियों ने अनजाने में ही सही एक नई वैश्विक सोच को जन्म दे दिया है। लोकल करंसी में व्यापार का बढ़ता चलन यह दशार्ता है। दुनिया धीरे-धीरे एक अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यह बदलाव कितना प्रभावी होगा, यह आने वाला समय तय करेगा। इस परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। वैश्विक व्यापार में डॉलर की पुरानी व्यवस्था अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही। दिन प्रतिदिन डॉलर को विभिन्न देशों से चुनौती मिल रही है। अमेरिका की साहूकारी में यह सबसे बड़ा झटका है। डॉलर मुद्रा के रूप में वैश्विक व्यापार होने से अमेरिका को बड़ी कमाई होती थी। अमेरिका की दादागिरी दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलती थी, लेकिन जब से रूस और चीन जैसे देशो से चुनौती मिलना शुरू हुई है। विशेष रूप से जब रूस जैसी महाशक्ति की मुद्रा को अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बता रूस की संपत्ति और मुद्रा को सीज कर प्रतिबंध लगाया, तो उसका भय सारी दुनिया के देशों में फैला। रही सही कसर इजराइल का रहा उसन एक नइ साच का जन्म द दिया ह। आज विभिन्न देश आपस में यह तय करने में लगे हैं कि भुगतान किस-किस मुद्रा में कितने प्रतिशत में किया जाएगा। यूपीआई आ जाने के कारण अब वैश्विक व्यापार में लेन-देन यूपीआई के जरिए तुरंत होने लगा है जिसके कारण डॉलर मुद्रा को सारे विश्व से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। सभी दुनिया के देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का भंडारण कम करके उसके स्थान पर सोने का भंडारण करना शुरू कर दिया है। जिन देशों के साथ उनके कारोबारी रिश्ते हैं। वह अपनी जरूरत के अनुसार विभिन्न मुद्राओं में भुगतान करके डॉलर से बच रहे हैं। इससे अमेरिका को दोहरा नुकसान हो रहा है। डॉलर में भुगतान होने के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो लाभ हो रहा था। वह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंक में विदेशी मुद्रा में डॉलर को प्राथमिकता मिलने से डॉलर मजबूत होता था। अब डॉलर के स्थान पर सभी देशों के सेंट्रल बैंक सोने को मुद्रा के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से एक अलग आर्थिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। अमेरिका का प्रभाव कम हो रहा है। यदि यही स्थिति आगे भी देखने को मिलती रही, तो अमेरिका की दादागिरी जल्द ही खत्म होने वाली है। जिस तरह से सोवियत रूस के हाल हुए थे, वही स्थितियां अब अमेरिका में बनने लगी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उत्तेजना में जिस तरह के निर्णय कर रहे हैं, उसके कारण वैश्विक स्तर पर अमेरिका की साख दिन प्रतिदिन कम होती चली जा रही है। वहीं अमेरिका के लिए आर्थिक चुनौतियां भी बढ़ती चली जा रही हैं।

देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

निर्मल रानी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गत 9 दिसंबर को कुछ स्थानीय युवकों द्वारा अगरतला (त्रिपुरा) के निवासी 24 वर्षीय अंजेल चकमा नामक एक छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले के बाद 17 दिनों तक अस्पताल में इलाजरत रहने के बाद गत 26 दिसंबर को आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। चकमा, देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र थे। खबरों के अनुसार देहरादून में अंजेल चकमा की मौत एक कथित नस्लीय हमले के कारण हुई। बताया जाता है कि 9 दिसंबर को जब अंजेल और उनके 21 वर्षीय छोटे भाई माइकल चकमा पास के सेलाकुई इलाके में किराने का सामान खरीदने गए थे उसी समय उनके चेहरों को देखकर हमलावरों ने उन्हें नस्ली गालियां दीं। बताया जाता है कि घटनास्थल पर करीब छह लोगों का एक समूह, जो पास में ही पहले से किसी के जन्मदिन का जश्न मना रहा था, ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उनपर नस्ली टिप्पणियां करते हुये उनपर चिंकी, चीनी और मोमो जैसी टिप्पणी की। जबकि एक आरोपी ने कहा कि ओये चीनी, क्या सूअर का मांस खरीदने आए हो? माइकल ने इसका विरोध किया, तो एक आरोपी ने उन्हें ब्रेसलेट से सिर पर मारा। अंजेल ने अपने भाई की रक्षा करने की कोशिश की और शांतिपूर्वक कहा, हम चीनी नहीं हैं... हम भारतीय हैं। क्या प्रमाण-पत्र दिखाएं कि हम भारतीय हैं? लेकिन नफरती संस्कारों में डूबे गुंडों के इस समूह ने हिंसक रूप से उनपर हमला कर दिया। यज्ञ अवस्थी नामक मुख्य आरोपी ने अंजेल की गर्दन और पीठ पर तेज हथियार से वार किया, जिससे वे गिर पड़े। माइकल भी घायल हुए, लेकिन उन्होंने अंजेल को पास के अस्पताल पहुंचाया। अंजेल की हालत गंभीर थी–उनकी गर्दन और स्पाइन में गहरी चोटें थीं–आखिरकार वे कभी पूर्ण चेतना में वापस नहीं आए और नफरत के सौदागरों ने एक होनहार भारतीय छात्र की हत्या कर उसके परिवार को अंधकार में धकेल दिया। निश्चित रूप से इस घटना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के खिलाफ उपजी नस्लवाद की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। इस घटना को लेकर त्रिपुरा सहित देश के विभिन्न राज्यों व शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालाँकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास को लेकर तरह तरह की बातें करते रहते हैं, परन्तु हकीकत यही है कि गत कुछ वर्षों में इसी देव भूमि में सत्ता संरक्षित धर्म जाति आधारित नफरती घटनाओं में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर अक्टूबर 2023 में उत्तराखंड के पुरोला कस्बे में एक 14 वर्षीय लड़की के अपहरण के बाद लव जिहाद का आरोप लगाकर हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काये गये। मुस्लिम मकानों व दुकानों पर लक्षित हमले किये गये, कई परिवार शहर छोड़कर भागने को मजबूर हुये। इसी तरह हल्द्वानी में 2024 की बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद के विध्वंस पर पथराव, आगजनी और पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सबसे प्रमुख रही, जहां 6 लोगों की मौतें हुईं। 2025 में भी कश्मीरपुर और हल्द्वानी में साम्प्रदायिक तनाव देखा गया। राज्य में दलितों के विरुद्ध भी अनेक घटनायें होती रहती हैं। परन्तु समाज में धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर बढ़ती नफरतों के बीच इस राज्य को देव भूमि के रूप में भी प्रचारित किया जाता है।

सवाल यह है कि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय राज्य सहित देश के अन्य विभिन्न राज्यों में इस तरह के नफरत व हिंसा पैदा करने वाले हालात क्या अचानक पैदा हुए हैं या सत्ता के संरक्षण में इन नफरती संस्कारों को पोषित किया जा रहा है? उत्तराखंड की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा दिये गये बयान से यह काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ ऐसी घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं और समाज को भेदभाव रोकने के लिए एकजुट होना चाहिए। हम लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। हमें मिलकर भेदभाव को रोकना होगा। भारत के किसी भी हिस्से के लोगों को हर जगह सुरक्षित महसूस करना चाहिए। उनकी मृत्यु बेहद दुखद है। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि ऐसी नफरत रातों रात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोजाना, खासकर हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और गैर - जिम्मेदाराना खबरों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। किसी का भी मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। कोई भी घटना देश के लिए दुखद घटना होती है। अगर देश में ऐसी कोई भी घटना होती है तो पूरे समाज को मिलकर उसके खिलाफ लड़ना चाहिए। वहीं, राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी में कहा कि हम प्रेम और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीयों को निशाना बनाए जाने पर अनदेखी करे। हमें यह सोचने और सामना करने की जरूरत है कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं?

अफसोस की बात तो यह कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उत्तराखंड की घटना के बाद व्यक्त किये गये विचार उस समय सामने आये जब उनके अपने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की नस्लवादी नफरती लोगों द्वारा हत्या कर दी गयी ? जबकि लगभग एक दशक से देश में जगह जगह अल्पसंख्यकों,दलितों व पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जाता रहा है। लिंचिंग की घटनायें घटित हो रही हैं। जगह जगह उन्मादी भीड़ पुलिस की शह पर वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बनाती रही है। जगह जगह उकसाऊ भाषण हो रहे हैं। कहीं हथियार बांटे जा रहे हैं। तो कहीं संवैधानिक पदों पर बैठे लोग स्वयं अपने जहरीले बोलों से समाज में हिंसा व नफरत बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह गोदी मीडिया भी इस नफरती वातावरण को और भी जहरीला बना रहा है। ऐसे में रिजिजू की चिंताओं के अनुसार भारत के किसी भी हिस्से के लोगों का स्वयं को हर जगह सुरक्षित महसूस करना कहां संभव हो पा रहा है? इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि आखिर देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

चिंतन-मनन

क्या है कृष्णकर्म?

ऐसा कोई कार्य न करें जो कृष्ण से संबंधित न हो। कोई भले ही कितने ही कर्म क्यों न करे, किंतु उसे उनके फल के प्रति आसक्ति नहीं होनी चाहिए। यह फल तो कृष्ण को ही अर्पित किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यापार में मस्त है, तो उसे इस व्यापार को कृष्णभावनामृत में परिणत करने के लिए, कृष्ण को अर्पित करना होगा। यदि कृष्ण व्यापार के स्वामी हैं, तो इसका लाभ भी उन्हें ही मिलना चाहिए। यदि किसी व्यापारी के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति हो और यदि वह इसे कृष्ण को अर्पित करना चाहे, तो वह ऐसा कर सकता है। यही कृष्णकर्म है। अपनी इंद्रियतृप्ति के लिए विशाल भवन न बनवाकर, वह कृष्ण के लिए सुंदर मंदिर बनवा सकता है, कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कर सकता है। यह सब कृष्णकर्म है।

मनुष्य को अपने कर्मफल में लिप्त नहीं होना चाहिए, अपितु इसे कृष्ण को अर्पित करके बची हुई वस्तु को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। यदि कोई कृष्ण के लिए विशाल भवन बनवा देता है और उसमें कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कराता है, तो उसमें उसे रहने की मनाही नहीं होती, लेकिन कृष्ण को ही इस भवन का स्वामी मानना चाहिए। यही कृष्णभावनामृत है। किंतु यदि कोई कृष्ण के लिए मंदिर नहीं बनवा सकता तो वह कृष्ण-मंदिर की सफाई में तो लग सकता है, यह भी कृष्णकर्म है। मत्परमः शब्द उस व्यक्ति के लिए आता है जो अपने जीवन का परमलक्ष्य, भगवान कृष्ण के परमधाम में उनकी संगति करना मानता है। ऐसा व्यक्ति चंद्र, सूर्य या स्वर्ग जैसे उच्चतर लोकों में अथवा ब्रह्मांड के उच्चतम स्थान ब्रह्मलोक तक में जाने का इच्छुक नहीं रहता। उसे इसकी तनिक भी इच्छा नहीं रहती। क्योंकि वह तो सर्वोच्च आध्यात्मिक लोक में जाना चाहता है, जिसे कृष्णलोक या गोलोक वृंदावन कहते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

टैरिफ के बावजूद वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर छू सकती है नई ऊचाईयां

अखबारों की सुर्खियाँ जब किसी शहर पर बंदरों के 'आतंक' की बात करती हैं या किसी गाँव को हाथियों और भालुओं की दहशत में दिखाती हैं, तब समाज सहज रूप से एक निष्कर्ष पर पहुँच जाता है, कि वन्यजीव समस्या हैं। यह निष्कर्ष सुविधाजनक है, भावनात्मक भी और सत्ता-तंत्र के लिए उपयोगी भी। इसी सुविधा के बीच कहीं अधिक भयावह सच अदृश्य बना रहता है और वह है जंगलों पर संगठित, सुनियोजित और वैध ठहराया गया वह आतंक, जो उद्योग, परियोजना और निवेश के नाम पर फैलाया जा रहा है। यह आतंक शोर नहीं करता, खून नहीं दिखाता, फिर भी इसका प्रभाव पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा। दरअसल ग्लोबल वॉर्मिंग आज केवल वैज्ञानिक शब्द नहीं रह गया है। यह हर सूखते जलस्रोत, हर बढ़ती लू, हर अनियमित बारिश और हर जहरीली हवा में दर्ज हो चुका है। पृथ्वी का तापमान लगातार ऊपर जा रहा है और इस बढ़ोतरी के पीछे सबसे बड़ा कारण वही है, जिसे हम विकास का उत्सव कहकर नजरअंदाज करते आए हैं। जंगलों का विनाश इस पूरी प्रक्रिया की धुरी है। जब वृक्ष कटते हैं, तब केवल लकड़ी नहीं हटती, बल्कि कार्बन को रोकने वाली प्राकृतिक ढाल भी खत्म होती है। धरती की त्वचा नंगी होती जाती है और सूरज की तपिश सीधे उसके भीतर उतरने लगती है।

भारत जैसे देश में यह अपराध और अधिक गंभीर है, जहाँ जंगल केवल पर्यावरणीय इकाई नहीं, सांस्कृतिक स्मृति, जीवन पद्धति और सामाजिक संतुलन का आधार रहे हैं। इसके बाद भी बीते चार वर्षों में देशभर में 78,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वनीय उपयोग के लिए स्वीकृति दी गई। यह आँकड़ा अपने आप में एक आरोप-पत्र है। मध्य प्रदेश में 17,393 हेक्टेयर, ओडिशा में 11,033 हेक्टेयर, अरुणाचल प्रदेश में 6,561 हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 5,480 हेक्टेयर और छत्तीसगढ़ में 4,092 हेक्टेयर वन क्षेत्र विकास परियोजनाओं के हवाले किया गया। इन संख्याओं के पीछे उजड़े जंगल, विस्थापित आदिवासी, सूखती नदियाँ और टूटता जैव-विविधता का ताना-बाना छिपा है और इसी बीच अरावली पहाड़ी को लेकर गढ़ी गई नई परिभाषा इस पूरे श्रृंखला के अधिकतर हिस्से के विनाश का प्रतीक बन सकती है। गौर करने वाली बात है कि यह पहाड़ियाँ उत्तर भारत के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच रही हैं। रेगिस्तान के फैलाव को रोकना, भूजल को संजोना, प्रदूषण को थामना, ये सभी जिम्मेदारियाँ अरावली सदियों से निभाती आई हैं। खनन, रियल एस्टेट और तथाकथित विकास के नाम पर इन्हें खोखला किया जा रहा है। अरावली को नुकसान पहुँचाने का अर्थ दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के भविष्य को दाँव पर लगाना है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की संवेदनहीनता का प्रमाण है। इसके अलावा वनों को अक्सर पेड़ों की गिनती में समेट दिया जाता है। यह दृष्टि खतरनाक है। जंगल एक जीवित व्यवस्था हैं, जहाँ मिट्टी, पानी, हवा, कीट, पक्षी, जानवर और मनुष्य एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं।

एक पेड़ कटता है तो उसके साथ सैकड़ों जीवन-श्रृंखलाएँ टूटती हैं। पक्षियों के घोंसले उजड़ते हैं, मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, वर्षा का चक्र असंतुलित होता है। यही असंतुलन धीरे-धीरे बाढ़, सूखा और हीटवेव का रूप ले लेता है। वृक्षारोपण के अभियानों को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। कैमरों के सामने पौधे लगाए जाते हैं, आँकड़े जारी होते हैं, तस्वीरें वायरल होती हैं। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान भावनाओं को छूते हैं, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। जब एक ओर प्रतीकात्मक पौधारोपण होता है, दूसरी ओर लाखों पेड़ परियोजनाओं की भेंट चढ़ते हैं। यह संतुलन नहीं, एक छल है। पौधा लगाना तब सार्थक होता है, जब वह जीवित रहकर जंगल बने। संरक्षण के बिना रोपण केवल आत्मसंतोष की कवायद बनकर रह जाता है। विकास की मौजूदा परिभाषा सबसे बड़ा संकट है। सड़क, फैक्ट्री और मॉल को प्रगति का पैमाना मान लिया गया है। हवा, पानी और हरियाली को विकास की राह में बाधा समझा जाने लगा है। दिल्ली इसका सबसे भयावह उदाहरण है, जहाँ सांस लेना स्वास्थ्य जोखिम बन चुका है। तापमान हर साल नए रिकॉर्ड तोड़ता है, जल संकट स्थायी सच्चाई बन चुका है। यह स्थिति किसी प्राकृतिक दुर्घटना का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत लापरवाही का नतीजा है।

ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि जंगलों का विनाश केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, यह सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जंगल कटते हैं तो सबसे पहले हाशिए पर खड़े समुदाय उजड़ते हैं। आदिवासी अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान से वंचित होते हैं। विकास का लाभ कुछ गिने-चुने हाथों में सिमटता है और उसकी कीमत समाज का बड़ा हिस्सा चुकाता है। यह असमानता भविष्य के सामाजिक संघर्षों की जमीन तैयार करती है। समाधान की दिशा स्पष्ट है। विकास परियोजनाओं की स्वीकृति में वास्तविक पर्यावरणीय मूल्यांकन होना चाहिए। स्थानीय समुदायों की सहमति केवल कागजी औपचारिकता न बने। हर कटे पेड़ के बदले केवल पौधा नहीं, पूरा पारिस्थितिक तंत्र पुनर्स्थापित किया जाए। उद्योगों की जवाबदेही तय हो और पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने की प्रवृत्ति पर रोक लगे। विकास और प्रकृति के बीच टकराव का विचार ही गलत है। दीर्घकालिक सोच के साथ दोनों का सहअस्तित्व संभव है। आज आवश्यकता है सजग नागरिक चेतना की। उस समाज की, जो अखबार की सुर्खियों से आगे देखकर असली खतरे को पहचान सके। बंदरों, हाथियों और भालुओं से डरना आसान है। उस आतंक का सामना करना कठिन है, जो फाइलों में छिपा रहता है और विकास का मुखौटा पहनकर जंगलों को निगलता है। जंगलों की खामोशी दरअसल एक चेतावनी है। यह खामोशी चीख बनकर उभरने से पहले सुनी जानी चाहिए। यदि आज दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें उस समय के रूप में याद रखेंगी, जब मनुष्य ने अपने ही घर की नींव काट दी। ऐसे में उपर्युक्त तथ्य और बातें केवल सूचना नहीं, एक आग्रह है सजग होने का, सचेत होने का और उस विकास को रोकने का, जो जीवन के विरुद्ध खड़ा दिखाई देता है। (स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

य

इजराइल और अमेरिका की दादागिरी को दुनिया के देशों की चुनौती

नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और नियम-आधारित

व्यापार में बढ़ रहा है। जो अर्थव्यवस्था के बड़े बदलाव का संकेत है।

और फिलिस्तीन में गाजा युद्ध के दौरान जो दादागिरी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने अमेरिका और इजराइल

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर में शिक्षकों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक संसाधन केंद्र (BRC) चन्दनपुर खादर के प्रांगण में खण्ड शिक्षा अधिकारी (BEO) गंगेश्वरी अनिल कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ब्लॉक के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और इंचार्ज अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। बैठक में विभागीय बिन्दुओं पर गहन चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना था। खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सूचनाओं को सटीक और समय से विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान एजेंडे के अनुसार विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र की 'अपार आईडी' जनरेट करने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। छात्रों की प्रतिदिन की ऑनलाइन उपस्थिति प्रेरणा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने को कहा गया। साथ ही, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की फीडिंग और डीबीटी (DBT) से संबंधित लंबित कार्यों को तत्काल निपटाने के निर्देश दिए। विद्यालयों के विभिन्न अभिलेखों और पंजीकरण के डिजिटलाइजेशन के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। मिशन प्रेरणा के अंतर्गत फोटो अपलोडिंग और नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। विद्यालय परिसर में किचन गार्डन स्थापित करने, भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और इसकी दैनिक सूचना भेजने पर चर्चा हुई। दिव्यांग छात्रों की उपस्थिति और विद्यालय प्रबंध समिति (SMC) की नियमित बैठकों के आयोजन पर बल दिया गया। इस अवसर पर शिक्षकों की समस्याओं और विभागीय समन्वय को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने भी अपने विचार रखे। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, एआरपी महीपाल सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, संदीप कुमार, देवेन्द्र शर्मा,महताबउद्दीन, योगराज सिंह, कपिल कुमार शर्मा, प्रकाश सिंह , जितेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह,लव माहेश्वरी,हरवीर सिंह, तेजपाल सिंह,करणवीर सिंह, राजकुमार, अजय कुमार, अंजना, शालू,शायरा बी, अनुराधा शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।शिक्षक

पूरन सिंह खड़गवंशी निर्विरोध चुने गए भूमि विकास बैंक के शाखा अध्यक्ष

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भूमि विकास बैंक के शाखा अध्यक्ष पद के चुनाव में पूरन सिंह खड़गवंशी (पूर्व ग्राम प्रधान कोकापुर) को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। उनके निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरन सिंह खड़गवंशी (पूर्व ग्राम प्रधान कोकापुर) के निर्वाचन की सूचना मिलते ही विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने नवनियुक्त अध्यक्ष का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इसे संगठन व कार्यकताओं की जीत बताया। स्वागत समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पूरन सिंह खड़गवंशी के नेतृत्व में भूमि विकास बैंक किसानों के हित में बेहतर कार्य करेगा और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने में सुगमता आएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा से जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हिमांशु त्यागी, देवेंद्र खड़गवंशी, प्रमोद त्यागी, रतन सिंह, हेतराम सिंह, जितेंद्र सिंह, अरुण सिंह, चंद्रपाल सिंह, दिलीप सिंह, प्रीतम सिंह, गजेंद्र पाल, मूनू चौधरी, लालवन सिंह और अंकित मावी सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू बीआर आंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन बीआर आंबेडकर किसानों के हक की लड़ाई को और तेज करेगी। बुधवार को ढवारसी में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के प्रथम आगमन पर कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। ढवारसी निवासी यश त्यागी के आवास पर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए दिग्विजय भाटी ने स्पष्ट संदेश दिया कि हमारा संगठन किसानों की हर समस्या को पूरी मजबूती के साथ शासन-प्रशासन के सामने उठाएगा। यदि कोई भी अधिकारी किसी आम नागरिक या किसान का उत्पीड़न करता है या उसे बेवजह परेशान करता है तो यूनियन उसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। बैठक के दौरान स्थानीय स्तर पर किसानों को एकजुट करने और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए उन्हें किसान हितों के लिए तत्पर रहने को कहा।
इस अवसर पर यश त्यागी, सोनू भाटी, सचिन रावत, पवन राणा और अजय प्रजापति समेत ग्रामीण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला मैसर्स तेवा ए0पी0आई0 का स्थलीय निरीक्षण, जल ओर मिट्टी के भरे सैंपल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स के निदेशों के क्रम में आज को गजरौला स्थित मैसर्स तेवा ए०पी०आई० का स्थलीय निरीक्षण गठित समिति द्वारा उपजिलाधिकारी चंद्रकांता की अध्यक्षता में किया गया। जांच आख्या में निरीक्षण के समय इकाई संचालित अवस्था में पायी गयी।, इकाई में मिट्टी की गुणवत्ता हेतु मिट्टी के सैम्पल लिये गये।, इकाई में हैण्डपम्प के पानी की गुणवत्ता हेतु जल का सैम्पल लिया गया।, निरीक्षण उपरान्त इकाई के ई०टी०पी० प्लान्ट का निरीक्षण किया गया जो सही रूप से स्थापित एवं कार्यरत पाया गया।, इकाई के जल/वायु प्रदूषण नियंत्रण माप पाया गया।, इकाई में नगर पालिका गजरौला के सीवरेज का पानी भी पाया गया।,
औद्योगिक अपशिष्ट जल का किसी भी प्रकार से खुले में प्रवाह नहीं पाया गया।, इकाई द्वारा कृषि भूमि की सुरक्षा हेतु आवश्यक सावधानियां अपनायी जा रही हैं।, इकाई में बॉयलर का निरीक्षण किया गया, परिसर के बाहर जल और मिट्टी के सैम्पल लिये गये। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र सिंह, प्रदूषण विभाग और जल निगम के अधिकारी सहित सम्बंधित उपस्थित रहे।

SIR नोटिस आने पर धनौरा तहसील में उमड़ी भीड़, एसडीएम विभा श्रीवास्तव को दिखाए साक्ष्य

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा तहसील परिसर स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय में बुधवार को एसआईआर (सस्पिशियस इलेक्टर रजिस्ट्रेशन) नोटिसों का जवाब देने के लिए बड़ी संख्या में मतदाता अपने दस्तावेजों के साथ पहुंचे। सुबह से ही एसडीएम कार्यालय के बाहर भारी भीड़ देखी गई।यह नोटिस मतदाता सूची के पुनरीक्षण और शुद्धिकरण अभियान के तहत जारी किए गए थे। उन मतदाताओं को चिन्हित किया गया था जिनकी मैपिंग स्पष्ट नहीं थी या 'नो मैपिंग' श्रेणी में थे। इन नोटिसों का उद्देश्य उनकी नागरिकता और निवास की सत्यता की जांच करना था।बुधवार सुबह कार्यालय खुलते ही नोटिस धारकों की लंबी कतार लग गई। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) विभा श्रीवास्तव के समक्ष मतदाता अपने आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं। एसडीएम स्वयं दस्तावेजों का बारीकी से निरीक्षण कर रही हैं ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न हो।एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई थी, उन्हें अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर दिया गया है। साक्ष्यों के मिलान के बाद ही आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।दोपहर बाद तक भी तहसील परिसर में लोगों का आना जारी रहा। प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखते हुए एक-एक कर सभी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया।

बीएसए के द्वारा समस्त 14 अध्यापकों को चयनवेतनमान की स्वीकृति

अमरोहा (सब का सपना):- महानिदेशक स्कूल शिक्षा उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये निदेशों के अनुपालन में जनपद अमरोहा के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों का मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से आनलाईन प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनवेतनमान स्वीकृति हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा प्राप्त कराई सूची के अनुसार नगर क्षेत्र अमरोहा के 11 अध्यापकों एवं नगर क्षेत्र हसनपुर के 03 अध्यापकों की 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण होने के पश्चात पूर्ण पारदर्शिता के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका के द्वारा समस्त 14 अध्यापकों को चयनवेतनमान की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उक्त अध्यापक/अध्यपिकाओं को माह जनवरी 2026 का वेतन चयनवेतनमान के साथ आहरित किया जायेगा।
अन्य विकास खण्डों से प्राप्त सूचियों का परीक्षण किया जा रहा है परीक्षणोपरान्त शीघ्र ही स्वीकृति आदेश निर्गत कर दिया जायेगा।

गजरौला हाईवे 9 पर रेलिंग से टकराया ट्रक, बड़ा हादसा होने से टला

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के हाईवे 9 पर एक ट्रक नियंत्रित होकर रैली से टकरा गया। जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया गनीमत रही की ट्रक रेलिंग तोड़कर पुलिया से नीचे नहीं गिरा। बता दें कि गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कांकाठेर गांव के सामने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग दिल्ली-लखनऊ पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर रेलिंग में जा घुसा। गनीमत रही कि ट्रक पुल की रेलिंग तोड़कर पुलिया के नीचे नहीं गिरा,वरना बड़ा हादसा भी हो सकता था। प्रत्यक्ष दर्शियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक चालक नशे की हालत में था। इस दौरान आगे-पीछे चल रहे वाहन चालकों में भी अफरा-तफरी मच गई।घटना की जानकारी मिलते ही ब्रजघाट चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रक को हाईवे की रेलिंग से हटवाकर चौकी पर खड़ा कराया और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिसकर्मियों ने घटना के बाद हाईवे पर लगे जाम को सुचारु कराया। चौकी इंचार्ज ब्रजघाट प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि नेशनल हाईवे 9 पर एक अनियंत्रित ट्रक रेलिंग से टकराया है। उन्होंने पुष्टि की कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। ट्रक को कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में नगर पालिका परिषद सीमा के अन्तर्गत सम्मिलित ग्रामों में से फेज-2 के अन्तर्गत मैं० एल.सी. इन्फा के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम रामपुर घना पेयजल योजना के कार्य पूर्ण हो गये है। मै० पी.एन.सी. एस.पी.एम.एल. के प्रतिनिधि सर्वेश राय द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम दाउद सराय पेयजल योजना के कार्य पूर्ण करा दिये गये हैं एवं मै० ओम इन्फा लि० के प्रतिनिधि सत्येन्द्र कुमार यादव द्वारा अवगत कराया गया कि दुर्गपुर पेयजल योजना के कार्य पूर्ण करा दिये गये हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं उनके हस्तान्तरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में 5-5 महिला पम्प ऑपरेटर को रखने हेतु जागरूक किया जाये एवं प्रशिक्षण दिया जाये। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो कार्य शेष हैं उनमें तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। निर्देश दिए कि लीकेज एवं अन्य शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत शत प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूरे हो चुके हैं, उन गांवों में लोगों को जल की महत्ता समझाते हुए और जागरूक करते हुए हैंडपंप एवं समरसेबल मुक्त गांव अभियान चलाया जाए। निधि गुप्ता वत्स ने अधिशासी अभियंता एवं डीपीएम टीपीआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। समस्त ग्रामों में जल समिति का गठन सुनिश्चित करते हुए जल बचाने और सही उपयोग करने के प्रति जागरूकता कराई जाए। आंगनवाड़ी केंद्रों, सामुदायिक शौचालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थानों पर कितने पानी का कनेक्शन दिए गए उनकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिन योजनाओं में कार्य चल रहा है उनमें लक्ष्य निर्धारित कर कार्ययोजना बनाते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। और जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं उनके हैंडओवर की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित संबंधित अधिकारीगण तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया किसान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान आदि सहित अन्य संबंधित शिकायतों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने लीड बैंक मैनेजर को निर्देश दिए की बैंक से संबंधित किसान भाइयों की जो भी समस्या है उनका निराकरण उचित प्रकार करें। उन्होनें कहा कहा कि जो भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उनकी जानकारी किसानों को मिले और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ मिलें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और जिलाधिकारी ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े। किसान दिवस मे उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग पीडब्ल्यूडी इत्यादि विभाग के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह के तहत अनाधिकृत वाहनों के खिलाफ हुई कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में परिवहन विभाग द्वारा अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। बुधवार को एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा अपनी टीम के साथ पीटीओ सुधीर सिंह और यातायात पुलिस के टीआई अनुज मलिक के नेतृत्व में हाईवे पर संयुक्त कार्रवाई में उतरे।हाईवे को दो हिस्सों में विभाजित कर अभियान चलाया गया–एक ब्रजघाट से जोया टोल तक और दूसरा जोया टोल से मुरादाबाद बॉर्डर तक। पहले हिस्से में एआरटीओ प्रवर्तन और टी.आई, जबकि दूसरे में पीटीओ तथा टी.एस.आई अनिल मथुरिया ने चेकिंग की। वाहनों की जांच शुरू होते ही कई चालक हाईवे से हटकर लिंक मार्गों का उपयोग करने लगे। कुछ चालकों और मालिकों ने सिफारिश लगवाने की कोशिश की, लेकिन कोई छूट नहीं मिली। इस कार्रवाई में कुल 8 बसों को सीज किया गया और उनके खिलाफ चालान काटा गया।इसके अलावा सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न उल्लंघनों जैसे गलत दिशा में वाहन चलाना, अवैध पार्किंग, हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना और मोबाइल फोन का उपयोग करने के आरोप में कुल 260 वाहनों के चालान किए गए।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जारी रहेगा। जनता से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें ताकि सड़कें सुरक्षित रहें।

बहजोई में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, दो मीट शॉप्स को नोटिस, दो प्रतिष्ठान बंद

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग का प्रवर्तन दल जनपद में खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को विभागीय टीम द्वारा बहजोई क्षेत्र में संचालित मीट शॉप्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कादरी चिकन शॉप एवं आजाद चिकन शॉप में साफ-सफाई की स्थिति मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। साथ ही इन प्रतिष्ठानों का संचालन खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 तथा नियम एवं विनियम-2011 की अनुसूची-4 में निहित प्रावधानों के विपरीत पाया

गया। इस पर दोनों दुकानों को नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त नौशाद पुत्र निजामुद्दीन तथा शमा-ए-करीम होटल, बहजोई द्वारा मौके पर खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस गंभीर अनियमितता के चलते दोनों प्रतिष्ठानों का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। इनके विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई का नेतृत्व मानवेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य) ने किया। उनके साथ राजीव कुमार एवं राजेश कुमार सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, निरीक्षण दल में शामिल रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनहित में ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वाले खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में तीन मामलों का निस्तारण, एक परिवार का पुनर्मिलन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी में आयोजित की गई। यह बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरों द्वारा किया गया। परामर्श केंद्र में कुल 14 पत्रावलियों

की सुनवाई की गई, जिनमें से 03 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इसके साथ ही 01 परिवार का पुनर्मिलन कराया गया। वहीं 03 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा पैरवी न किए जाने अथवा अन्य कारणों से बंद कर दिया गया। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोड़ा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, महिला हेड कांस्टेबल रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस के अनुसार, परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से पारिवारिक विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा, ताकि परिवार टूटने से बचें और समाज में सौहार्द बना रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बुधवार को चंदौसी क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान सरोजिनी नायडू, नेहरू कंपोजिट एवं विनोबा भावे जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना है, ताकि वे किसी भी चुनौती का डटकर सामना कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक सुरेश कुमार के साथ पूर्वी, शिवानी, संतराम एवं

ब्रिजेश ने छात्राओं को फ्रंट किक, बेसिक किक और फेस पंच जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अभ्यास कराया। प्रशिक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि छात्राएं पहले दिन से ही आत्मरक्षा सीखने में काफी रुचि ले रही हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जनपद के सभी जूनियर हाई स्कूलों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को सरकार एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के हित में संचालित योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, घरेलू हिंसा से संबंधित कानून, छात्रवृत्ति आदि की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य बालिकाओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना भी है, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें।

अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने किया थाना धनारी का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

स्वच्छता,अनुशासन एवं व्यवस्था बनाए रखने पर दिया गया विशेष बल

धनारी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा द्वारा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनसेवा-उन्मुख बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना धनारी का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान थाना धनारी पर प्रचलित समस्त अभिलेखों की गहनता से समीक्षा की गई तथा उनके अद्यतन, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रख-रखाव के संबंध में संबंधित

अधिकारियों/ कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त महिला हेल्प डेस्क/मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया तथा हवालात की स्थिति, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही सम्पत्ति गृह में मालखाने की प्रविष्टियों, रख-रखाव एवं अभिलेखीकरण की स्थिति का अवलोकन किया गया। बैरक एवं थाना कार्यालय का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता, अनुशासन एवं व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि थाना परिसर में स्वच्छता बनाए रखते हुए अभिलेखों का समयबद्ध संधारण किया जाए तथा थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी से शालीन, संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

बाल अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस लाइन में गोष्ठी, आयोजित

बाल विवाह मुक्त भारत की ली गई शपथ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निदेर्शानुसार बुधवार को पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी ने की। गोष्ठी में अध्यक्ष बाल कल्याण समिति बहजोई, संयुक्त निदेशक अभियोजन अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, अध्यक्ष किशोर न्याय बोर्ड, प्रभारी आरपीएफ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा जनपद सम्भल के

समस्त बाल कल्याण अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बाल श्रम, बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट, अनैतिक व्यापार एवं भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही इन सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सभी ने बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ भी ली। इसके अतिरिक्त शासन व प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों जैसे ऑपरेशन रक्षा, ऑपरेशन मुस्कान, बाल श्रम उन्मूलन अभियान आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। गोष्ठी के दौरान एक नाबालिग बालिका द्वारा अपने परिजनों के विरोध के बावजूद अपने बाल विवाह का विरोध करने का मामला भी सामने आया। बालिका के इस साहसी एवं सराहनीय कदम को देखते हुए सामाजिक संस्था एवं क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार द्वारा उसे किताबें एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की जागरूकता और साहसिक पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाती हैं और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के समूल नाश में सहायक सिद्ध होंगी।

अनुपमा सिंह बनीं 'लखपति दीदी', 25 लाख के व्यवसाय से महिलाओं को दे रही रोजगार

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जिले के बनियाखेड़ा गांव की 48 वर्षीय अनुपमा सिंह ने कठिन संघर्ष के बाद 25 लाख के व्यवसाय का निर्माण कर दिखाया है। एक समय जब वह प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थीं, आज वह गोबर और मिलेट्स से बने उत्पादों के जरिए 500 महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। साल 2020 में ड्ड1 लाख के कर्ज से शुरू हुआ उनका सफर 'जानकी स्वयं सहायता समूह' के माध्यम से आगे बढ़ा। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के मार्गदर्शन में उन्होंने गोबर से मोबाइल स्टैंड, मूर्तियां और थालियां बनाईं, जो अब दिल्ली और मुरादाबाद के बाजारों में लोकप्रिय हैं।

वर्तमान में अनुपमा को 5 नए रेस्टोरेंट खोलने की अनुमति मिली है, जिससे और 15 महिलाओं को रोजगार मिलेगा। उनके प्रयासों से 18 राज्यों की महिलाओं को पीछे छोड़ते हुए उन्हें भारत सरकार ने 'लखपति दीदी' के रूप में मान्यता दी है। आगामी गणतंत्र दिवस पर वह दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी और अनुभव साझा करेंगी। अनुपमा का अगला लक्ष्य गांव में सैनिटरी पैड यूनिट और अचार-पापड़ उद्योग शुरू करना है, जिससे और अधिक महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर मिल सके। अनुपमा ने बताया सफलता मेहनत और सही मार्गदर्शन से मिलती है। प्रशासन और सरकार का सहयोग महिलाओं के लिए रास्ता आसान बनाता है।

बहजोई में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान, प्रशासन ने हटवाया अवैध कब्जा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को अतिक्रमण अभियान चलाया। यह अभियान डिप्टी कलेक्टर/अधिशासी अधिकारी नीतू रानी के नेतृत्व में नगर पालिका कर्मचारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में संचालित किया गया। अभियान के तहत डीएम कैंप कार्यालय, चंदौसी रोड सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान अस्थायी दुकानों, ठेलों, अवैध निर्माणों और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और

आमजन को आवागमन में राहत मिले। नगर पालिका की टीम ने जेसीबी और अन्य संसाधनों की सहायता से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की, जबकि पुलिस बल ने मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखी। अभियान के दौरान कई स्थानों पर अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा। डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी ने नगरवासियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग स्वेच्छा से अतिक्रमण नहीं हटाएंगे, उनके खिलाफ प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर नगर में जहां हलचल देखने को मिली, वहीं कई नागरिकों ने इसे शहर की सुंदरता, सुरक्षा और व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम बताया। प्रशासन ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि नियमों का पालन कर नगर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में योगदान दें।

भाकियू कार्यकताओं द्वारा जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण

भंडारा भी किया गया लोगों को मिली राहत

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़(सब का सपना):- सर्दियों की ठंड में जरूरतमंदों के लिए भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने बृजघाट में एक बड़ा सामाजिक अभियान चलाया। इस अवसर पर संगठन ने गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल वितरित किए और भंडारे का आयोजन किया, जिससे स्थानीय लोगों को गर्म रखने और पेट भरने में मदद मिली। कार्यक्रम में यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला महासचिव ममता शर्मा, जिला सचिव वर्मा जी और

मूलचंद यादव, जिला उपाध्यक्ष कृपाराम राणा, क्षेत्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश सेठ, जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा (पिलखुवा), अध्यक्ष ललित शर्मा (बृजघाट), नगर अध्यक्ष विशाल अग्रवाल, नगर संयोजक अनुराग शर्मा (बृजघाट), नगर सचिव मुनेश वर्मा (बृजघाट) और कोषाध्यक्ष दीपक वर्मा (बृजघाट) इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य सर्दियों में जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाना और सामाजिक जिम्मेदारी निभाना है। उपस्थित लोगों ने यूनियन की इस पहल की सराहना की और इसे समाज सेवा का प्रेरक उदाहरण बताया। भंडारे और कंबल वितरण कार्यक्रम ने स्थानीय लोगों के बीच खुशी और राहत का माहौल बनाया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्यों को लगातार जारी रखेगा और जरूरतमंदों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इस पहल से बृजघाट के गरीब और जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ मिला, वहीं यूनियन ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को भी मजबूती से प्रदर्शित किया।

बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली बेटी सम्मानित, बनी समाज के लिए प्रेरणा

बाल अपराध गोष्ठी में साहसी किशोरी को मेडल पहनाकर किया गया सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को आयोजित बाल अपराध गोष्ठी के दौरान बाल विवाह के खिलाफ साहसिक कदम उठाने वाली किशोरी उपासना को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी ने उपासना को मेडल पहनाकर उसके साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उपासना ने अपने ही परिवार के भारी दबाव के बावजूद बाल विवाह को ठुकरा दिया और इसके विरुद्ध मजबूती से आवाज उठाई। वह प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन) की सहयोगी संस्था द्वारा चलाए जा रहे

बाल विवाह विरोधी अभियान से प्रेरित होकर आगे आई। प्रयत्न संस्था के संभल प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने यह मामला जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के समक्ष रखते हुए उपासना को समाज के सामने एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि उपासना के परिजनों ने उसके बाल विवाह न करने के फैसले के कारण फिलहाल उससे संबंध तोड़ लिए हैं, लेकिन इसके बावजूद उपासना ने अपनी शिक्षा, स्वतंत्रता और अधिकारों से समझौता नहीं किया। बताया जा रहा है कि यह देश का ऐसा पहला मामला है, जहां बेटी की मजबूत इच्छाशक्ति के चलते परिवार ने संबंध तोड़े, फिर भी उसने बाल विवाह स्वीकार नहीं किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि उपासना जैसी बेटियां समाज में परिवर्तन की मशाल हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन और प्रयत्न संस्था के संयुक्त प्रयासों से ऐसी किशोरियां आगे आ रही हैं, जो बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को जड़ से समाप्त करने में अहम भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम के दौरान प्रयत्न संस्था द्वारा उपासना को किताबें एवं स्कूल बैग भेंट किए गए। यह घटना न केवल संभल बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जहां बाल विवाह रोकने के लिए अभियान तेजी से चल रहे हैं और युवा पीढ़ी स्वयं अपनी आवाज बुलंद कर रही है। उपासना की कहानी हर उस बेटी के लिए संदेश है, जो अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहती है। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गौरव गुप्ता, एएचटी प्रभारी मेघपाल, श्रम प्रवर्तन अधिकारी आजम खान, प्रयत्न संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं हितधारक उपस्थित रहे।

मंडल स्तरीय संस्कृति प्रतियोगिता में संभल के कलाकारों का शानदार प्रदर्शन, राज्य स्तर के लिए चयन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश पर्व झ्र हमारी संस्कृति, हमारी पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के कलाकारों ने मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता सभा भवन, मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज, मुरादाबाद में आयोजित की गई, जिसमें जनपद अमरोहा, बिजनौर सहित अन्य जिलों के कलाकारों ने भी हिस्सा लिया।

लोक कला संयोजक (मेरठ प्रांत) ममता राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विजयी रहे कलाकारों ने मंडल स्तर पर जनपद संभल का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में संभल जिले के उड़ान आर्टिस्ट ग्रुप ने समूह लोक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। वहीं एकल नृत्य प्रतियोगिता में

सरस्वती माध्यमिक उच्चतम विद्यालय की छात्रा कु. नंदिनी कुशवाहा ने धेड़िया लोक नृत्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान हासिल किया। गायन प्रतियोगिता में एसएम कॉलेज की छात्रा कु. शिवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी रहे सभी कलाकारों का चयन राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो लखनऊ में आयोजित होगी। विजयी कलाकारों ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए राज्य स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

खाकी पर दाग, दबंगों ने महिलाओं को पीटा, पुलिस पर निमार्णाधीन शौचालय ढहाने का आरोप

नांगल सोती/बिजनौर(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में 'स्वच्छ भारत अभियान' को ठेंगा दिखाने और पुलिसिया उत्पीड़न का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना नांगल सोती क्षेत्र के गांव आलम सराय में शौचालय निर्माण को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि पुलिस ने पीड़ितों की मदद करने के बजाय दबंगों का साथ देते हुए निमार्णाधीन शौचालय को लात मारकर गिरा दिया।जानकारी के अनुसार, आलम सराय निवासी एक पीड़ित परिवार अपने घर में शौचालय का निर्माण करा रहा था। गांव के ही कुछ दबंगों ने इस निर्माण का विरोध करते हुए घर में धावा बोल दिया। विरोध करने पर दबंगों ने घर की महिलाओं के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित परिवार का आरोप पुलिस प्रशासन के लिए बेहद गंभीर है। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो मौके पर पहुंचे दरोगा और सिपाहियों ने कानून व्यवस्था संभालने के बजाय दबंगों के इशारे पर काम किया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने निमार्णाधीन शौचालय को लात मारकर जमींदोज कर दिया। मारपीट में घायल बुजुर्ग महिला का आरोप है कि पुलिस ने उनका चिकित्सीय परीक्षण (Medical Examination) तक नहीं कराया, जिससे पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। न्याय की उम्मीद खो चुके पीड़ितों ने बिजनौर पुलिस अधीक्षक (SP) के पास पहुंचकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला सरोज ने बताया कि हम सरकार के नियमों के अनुसार अपने घर में इज्जतघर बनवा रहे थे। दबंगों ने हमें पीटा और जब दरोगा जी आए, तो उन्होंने हमारे शौचालय को लात मारकर गिरा दिया। हमें इंसाफ चाहिए।"

स्योहारा थाना क्षेत्र में जानलेवा हमला, चार आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम मुकरपुरी में आपसी रंजिश के चलते हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा और लोहे की नुकीली पत्ती भी बरामद की गई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ग्राम मुकरपुरी निवासी धर्मपाल सिंह पुत्र ध्यान सिंह थाना स्योहारा पहुंचे और लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव के ही कलुआ पुत्र सतवीर सिंह, विजय पुत्र धूम सिंह, दीपांशु पुत्र विजयपाल और भूपेन्द्र सिंह पुत्र ऋषिपाल सिंह ने गाली-गलौच करते हुए धारदार हथियारों से उन पर और उनके परिजनों पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। इस हमले में धर्मपाल सिंह तथा उनके भाई बाबू और पुखराज को गंभीर चोटें आईं। आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्योहारा में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राजेश कुमार को सौंपी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से एक लकड़ी का डंडा और एक लोहे की नुकीली पत्ती बरामद की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एसआईआर के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की गई बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट स्थित उनके कैंप कार्यालय में एसआईआर के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई। कौर ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण निर्वाचक नामावली के अंतर्गत 6 जनवरी,2026 से आगामी 6 फरवरी, 2026 तक दावे और आपत्तियों का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि उक्त कार्य को पूर्ण रूप से निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्वाध रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अतिरिक्त जिला स्तरीय अधिकारियों को नामित किया गया है तथा उनके लिए स्थान का निर्धारण भी कर दिया गया है जहां उपस्थित होकर उनके द्वारा दावे और आपत्तियों के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक जिला बिजनौर की आठों विधानसभा क्षेत्र में फार्म 6-46754, फॉर्म 7-2088 तथा फार्म 8-22333 की संख्या में भरे जा चुके हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देशित किया कि दावे और आपत्ति के निस्तारण के कार्य में तेजी लाएं और आयोग के निदेर्शों के अनुसार सभी कार्य संपन्न कराएं। उन्होंने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा युवतियों के फॉर्म 6 जरूर भरवाएं और कोई भी पात्र युवा अपना मत पत्र बनवाने से वंचित न रहे साथ ही दावे और आपत्तियों के निस्तारण के कार्य में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने के लिए अपने-अपने बूथ लेवल अभिकताओं को क्रियाशील करें ताकि एस आई आर के कार्य में तेजी के साथ-साथ पारदर्शिता भी बनी रहे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वानिया सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार, सपा से अखलाक अहमद उर्फ पप्पू, बसपा से मुहम्मद सिद्दीक तथा कांग्रेस पार्टी से अनिल त्यागी व काजी आतिफ मौजूद थे।

तीन साल पुराने हत्याकांड में आरोपी को कड़ी सजा

पत्नी प्रियंका की हत्या, पति जॉनी दोषी करार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र में पत्नी की निर्मम हत्या के तीन साल पुराने मामले में अदालत ने आरोपी पति को कड़ी सजा सुनाते हुए न्याय का संदेश दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निजेंद्र कुमार की अदालत ने आरोपी जॉनी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 25 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया गया है। सरकारी पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अजीत पंवार ने बताया कि यह मामला ग्राम सदाफल से जुड़ा है। गांव निवासी सोमपाल पुत्र झुंडू सिंह ने थाना स्योहारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 8 जनवरी 2023 की रात जॉनी अपनी पत्नी प्रियंका के साथ घर के ऊपर वाले कमरे में सो रहा था, जबकि उसके पिता सोमपाल नीचे के कमरे में थे। रात के समय जॉनी नीचे आया और अपने पिता को बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद उसने प्रियंका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। सूचना मिलते ही जब सोमपाल ऊपर पहुंचे तो प्रियंका का शव चारपाई पर पड़ा मिला। शव के पास डंडा और चाकू के निशान पाए गए, जिससे हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने घरेलू काम में इस्तेमाल होने वाले सब्जी काटने के चाकू से प्रियंका पर वार किया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त डंडा और चाकू पशु बांधने वाली जगह से बरामद किए। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। तभी से आरोपी जिला कारागार में बंद है। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि प्रियंका की शादी पहले आरोपी के भाई दीपक से हुई थी। शादी के करीब चार साल बाद दीपक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों के निर्णय पर प्रियंका की शादी जॉनी से करा दी गई थी। बताया गया कि प्रियंका के स्वभाव को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

लोक अभियोजक द्वारा अदालत में दस गवाहों के बयान कराए गए। सभी साक्ष्यों, गवाहों और परिस्थितिजन्य प्रमाणों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है और लोगों ने अदालत के निर्णय को न्यायसंगत बताया है।

शिवसैनिकों ने उ.प्र. एवं उत्तराखण्ड के वन अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

अफजलगढ/बिजनौर (सब का सपना):- शिव सेना जिलाध्यक्ष चौ.संजय राणा के नेतृत्व में शिव सैनिकों एवं क्षेत्रीय कृषकों ने जंगली जानवरों से फसल एवं जन जीवन की सुरक्षा हेतु उप वन क्षेत्राधिकारी कालागढ के माध्यम से प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग उ.प्र. बिजनौर को सम्बोधित तथा वन क्षेत्राधिकारी नगीना रेंज के माध्यम से प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव उत्तराखण्ड को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जंगली जानवरों द्वारा नष्ट की गई फसल का सर्वेक्षण कराकर मुआवजा दिलाने, प्रभावित क्षेत्रों में वाच टावर लगाने, वन सीमावर्ती क्षेत्र में मोशन सेंसर अलार्म एवं हाई मास्ट निगरानी लाइट्स लगवाने , जंगली जानवरों के हमले से जनहानि होने पर मृतक के आश्रितों को पचास लाख रुपए तथा घायल को उचित मुआवजा दिलाने , वन विभाग की रेसक्यू टीम को सक्रिय किये जाने तथा क्षेत्रीय जनता की सुरक्षा हेतु जन जागरण अभियान चलाये जाने की मांग की गई है। इस दौरान मण्डल प्रमुख एडवोकेट आर.के.आर्य, यूवा सेना जिला प्रमुख विकास त्यागी, मनवीर सिंह यादव, सरदार कुलदीप सिंह, बदन सिंह, सन्दीप धनकड , शिवसेना ग्राम पंचायत अध्यक्ष इस्लाम नगर परशुराम, आदर्श सिंह, विजय यादव, तेजपाल सिंह, तेजपाल राणा , हरपाल राणा, अनिल राठी , बंटी यादव , रोहित राणा , अनिल फोगाट , पंकज चौधरी , शैलेन्द्र कुमार , सिकंदर पाल सिंह , सरदार तेजपाल सिंह , बिट्टू , रूबी, विक्की, गीता, गामा ,रतनसिंह , इन्द्रजीत सिंह गुरुसेवक , पूर्व प्रधान विनोद काला अतरसिंह , क्षेत्रपाल सिंह, सोनू सिंह, महेंद्र सिंह सिरोही आदि सैकड़ो की तादाद में शिव सैनिक एवं कृषक मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में हुए 4 लाख 42 हजार रुपये के गबन का मामला चार महा बाद भी अनसुलझा

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम भिक्कावाला स्थित प्राथमिक विद्यालय में चार लाख 42 हजार रुपये के कथित गबन का मामला चार महीने बीत जाने के बाद भी अनसुलझा है। शिक्षा विभाग की निष्क्रियता से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने करीब तीन माह पूर्व इस संबंध में बेसिक शिक्षा अधिकारी बिजनौर एवं जिलाधिकारी को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक न तो जांच पूरी हुई और न ही कोई रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में पहले से मौजूद बाउंड्री वॉल के नाम पर विभाग से चार लाख 42 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कराई गई थी। आरोप है कि इस धनराशि से कोई निर्माण कार्य नहीं कराया गया और पूरी रकम का गबन कर लिया गया। इस प्रकरण में विद्यालय की प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। शिकायत के बाद विभागीय अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया, पर हर बार केवल आश्वासन ही मिला। आरोप है कि शिक्षा विभाग ह्यकुंभकर्णी नींदह्व सोया हुआ है और जानबूझकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थान पर सरकारी धन का दुरुपयोग न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने एक बार फिर जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा गबन की गई राशि की रिकवरी कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई तो वे जनआंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कस्साना ने बताया कि उनके स्तर से जांच रिपोर्ट पूरी हो चुकी है, लेकिन संबंधित जेई की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इस संबंध में उन्होंने स्वयं जिलाधिकारी जसजीत कौर तथा विभागीय अधिकारियों को अवगत करा दिया है।

मदरसा नाबिनान में समाज सुधार और दस्तार-ए-फजीलत पर बैठक आयोजित

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- मदरसा नाबिनान नगीना में समाज सुधार और दस्तार-ए-फजीलत मदरसा नाबिनान में 11 छात्रों की दस्तारबंदी के अवसर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बुधवार को समाज सुधार और दस्तार-ए-फजीलत मदरसा नाबिनान में 11 छात्रों की दस्तारबंदी के अवसर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसे के मोहतमिम मौलाना डॉ. खलीक अहमद कासमी ने की और संचालन मौलाना हिफ़्जुर्रहमान साहब मजाहिरी ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत मौलाना अब्दुल कादिर कासमी की पवित्र कुरआन की तिलावत से हुई। इसके बाद एहतिशाम (दृष्टिहीन छात्र) ने नात शरीफ पढ़ी। कारी अकदस ने विशेष तराना प्रस्तुत किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मौलाना मुफ़्ती मुहम्मद रियासत कासमी, उस्ताद-ए-हदीस, जामा मस्जिद अमरोहा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कुरआन करीम की महानता पर बोलते हुए कहा कि हजरत मुहम्मद ने फरमाया है कि जो व्यक्ति कुरआन का माहिर हो, उसे अच्छे से याद करता हो और सही तरीके से पढ़ता हो, कयामत के दिन उसका उठाया जाना फरिश्तों के साथ होगा। नबी ट्ट ने यह भी फरमाया कि जो इंसान कुरआन पढ़े और उस पर अमल करे, कयामत के दिन उसके माता-पिता को एक ऐसा ताज पहनाया जाएगा जिसकी रौशनी सूरज की रौशनी से भी ज्यादा तेज होगी। जब यह रौशनी सूरज के घरों में होने से बढ़कर होगी, तो सोचिए उस व्यक्ति का क्या दर्जा होगा जो खुद कुरआन पर अमल करने वाला होगा।मुफ्ती नबील अहमद रशीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार तक कुल 11 छात्र शिक्षा पूरी कर चुके हैं। इनमें 6 कारी और 5 हिफ़्ज के छात्र शामिल हैं।

तजवीद और कि राअत के छात्रों की परीक्षा कारी हम्माद, उस्ताद मदरसा शाही मुरादाबाद ने ली, जबकि हिफ़्ज के छात्रों का आखिरी सबक मुफ्ती रियासत ने सुना।

इन छात्रों में हाफि ज मोहम्मद शारिम, हाफि ज मोहम्मद मुदस्सिर, हाफि ज मोहम्मद फरदीन, हाफि ज मोहम्मद मुराद, हाफि ज मोहम्मद तनवीर, कारी मोहम्मद अली, कारी मोहम्मद जुनैद, कारी मोहम्मद मुस्तक ीम, कारी मोहम्मद अफजल, कारी मोहम्मद ओवैस और कारी मोहम्मद अबूजर आदि सभी छात्रों को दस्तार-ए-फजीलत से नवाजा गया।

इस अवसर पर मदरसे के मुहतमिम ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मुफ्ती ओवैस अकरम, मौलाना डॉक्टर खलीक अहमद कासमी, मौलाना अब्दुल कादिर, हाफि ज शकील साहब, मुफ़्ती अबरार, मुफ़्ती मुफ्ती कफील समाजसेवी हाजी तन्जील आलम पत्रकार मुनीर आलम राशिद उस्मानी यासिर शमसी मुफ्ती इलियास, मुफ़्ती कफील, मौलाना वकील, मौलाना मुजहिर, मौलाना राशिद, मौलाना असअद, मौलाना तारिक, वाहिद अंसारी चेयर पर्सन पुत्र शहराज खलील मुफ्ती शाहिद मुफ्ती मुजाहिद मुफ्ती अरशद मुफ्ती उस्मान मुफ्ती नईम कारी जुनैद वे अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्योहारा में बस स्टैंड निर्माण को लेकर सांसद चंद्रशेखर ने उठाई आवाज

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा क्षेत्र में लंबे समय से लंबित बुनियादी विकास कार्यों को लेकर अब मामला शासन स्तर तक पहुंच गया है। नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने स्योहारा नगर में प्रस्तावित बस स्टैंड, सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु चिन्हित सरकारी भूमि पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि नगर पालिका परिषद स्योहारा द्वारा मुरादाबाद रोड स्थित सरकारी भूमि पर बस स्टैंड निर्माण के लिए लगभग पांच बीघा तथा सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए करीब बारह बीघा सरकारी भूमि का विधिवत प्रस्ताव पारित कर जिलाधिकारी और संबंधित विभागों को भेजा जा चुका है। इसके बावजूद धरातल पर कार्य शुरू नहीं हो सका है। सांसद ने चिंता जताई है कि प्रस्तावित सरकारी भूमि पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध कब्जे के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे न केवल जनहित की महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं बल्कि सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में भूमि विवाद और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। पत्र में यह भी कहा गया है कि स्योहारा नगर में स्थायी बस स्टैंड के अभाव में आम जनता को यातायात जाम, अव्यवस्थित परिवहन और असुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित निर्माण कार्य पूरे होने से नगर की यातायात व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय सुधार होगा। सांसद ने मांग की है कि संबंधित विभागों को निर्देश देकर भूमि को अवैध कब्जों से सुरक्षित कराया जाए और विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ कराए जाएं, ताकि स्योहारा की जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।

संरक्षित वन में कटान पर सख़्ती, विकास बनाम पर्यावरण पर टकराव

बिजनौर (सब का सपना) ओमपाल सिंह प्रजापति:- राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत संरक्षित वन एवं सैन्चुरी क्षेत्र में बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) पेड़ कटान और मिट्टी खनन के आरोपों ने प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। वन विभाग और एनएचएआई कर्मियों के बीच मौके पर तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें दोनों पक्षों से चोटिल होने की भी सूचना है। प्रकरण के बाद वन विभाग की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वन विभाग का आरोप है कि संरक्षित वन क्षेत्र में बिना वैधानिक अनुमति भारी मशीनों से खुदाई और पेड़ काटे जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान एक ट्रक सीज किया गया और एनएचएआई से जुड़े दो इंजीनियरों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर सीजेएम न्यायालय में पेश किया है। वहीं एनएचएआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय महत्व की परियोजना में अनावश्यक रोक से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और भारी आर्थिक नुकसान होता है। हालांकि वन विभाग का स्पष्ट कहना है कि सैन्चुरी और संरक्षित वन क्षेत्र में कानून से ऊपर कोई परियोजना नहीं हो सकती। वहीं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन वे पर्यावरणीय कानूनों और निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत ही होंगे। संरक्षित वन क्षेत्र में बिना अनुमति किसी भी तरह का कार्य स्वीकार्य नहीं है।

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी। मामले के बाद प्रशासन ने दोनों विभागों से विस्तृत रिपोर्ट तलब कर ली है। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि विकास की रफ्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलन कैसे साधा जाए। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की

अमरोहा में अलग-अलग सड़क हादसों में दो बहनों सहित चार की मौत,दो घायल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अलग-अलग सड़क हादसों में दो सगी बहनों समेत चार लोगों की मौत हो गई इसके अलावा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। यह घटना मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्रि के आसपास की बताई जा रही है। इसके अलावा बताया जा रहा है कि हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन भी किया। बता दें कि अमरोहा जनपद में मंगलवार और बुधवार की रात हुए अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक पहला हादसा नौगावां सादात थाना क्षेत्र के कुमखिया चौकी क्षेत्र में नूरपुर मार्ग पर हुआ। यहां एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में मुरादाबाद के कांठ थाना क्षेत्र के शाहूपुर गांव निवासी 30 वर्षीय गुलिस्ता और उनकी 26 वर्षीय बहन गुलफिशां की मौके पर ही मौत हो गई। गुलिस्ता के पति हैदर अली गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया,इस कारण आक्रोशित ग्रामीणों ने दो घंटे तक सड़क पर जाम लगाकर हंगामा किया।उधर दूसरा सड़क हादसे इसी थाना क्षेत्र में कताई मिल के पास हुआ। जिसमें नौगावां सादात से अमरोहा लौट रहे अमरोहा के मोहल्ला शिवद्वारा निवासी 28 वर्षीय फैज और 25 वर्षीय अरशद की स्कूटी अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में बी.फार्मा के छात्र फैज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरशद की हालत गंभीर बनी हुई है।तीसरा हादसा डिडौली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर गांव ढकिया चमन के सामने ओवरब्रिज पर हुआ। यहां डीसीएम चालक अक्षय (36) पुत्र ओमप्रकाश, निवासी नकापिपरि, थाना हरजां, जिला पीलीभीत, अपनी डीसीएम को हाईवे किनारे खड़ी कर ठीक कर रहे थे। तभी पीछे से आई मुरादाबाद डिपो की रोडवेज बस ने उन्हें रौंद दिया, जिससे अक्षय की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने सभी मामलों में मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। घायलों का इलाज जारी है।

गेस्ट हाउस के कमरे में मिला शव, मिल परिसर में हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर शुगर मिल परिसर स्थित गेस्ट हाउस में एक युवक का शव मिलने से बुधवार को मिल प्रबंधन और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय उत्कर्ष सिसोदिया पुत्र टिकेंद्र सिंह निवासी वैशाली नगर, जयपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। बताया गया है कि मृतक जनपद के एक न्यायिक अधिकारी का रिश्तेदार था। जानकारी के अनुसार उत्कर्ष 12 जनवरी 2026 को धामपुर शुगर मिल के गेस्ट हाउस में एक सप्ताह के लिए ठहरा था। वह कमरा नंबर 7 में अकेला रह रहा था। बुधवार सुबह करीब 10 बजे जब गेस्ट हाउस कर्मी करण सिंह नाश्ता देने के लिए कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद नहीं था। दरवाजा खोलने पर युवक का शव बेड पर पड़ा मिला, जिसके बाद मिल अधिकारियों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम स्मृति सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। धामपुर शुगर मिल के महाप्रबंधक विजय कुमार ने बताया कि उत्कर्ष के लिए गेस्ट हाउस का कमरा 12 से 21 जनवरी तक बुक कराया गया था।

'अपना समय बर्बाद करने के बजाय, टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश पर बैन की याचिका पर एचसी ने छात्र को लगाई फटकार

नई दिल्ली। अगले महीने शुरू हो रहे टी-20 पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में बांग्लादेश को भाग लेने से रोकने की मांग को लेकर जनहित याचिका पर दायर करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने विधि छात्र को फटकार लगाई। बांग्लादेश में हिंदु समुदाय के साथ हो रही हिंसा को देखते हुए उक्त मांग की गई थी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिका के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। पीठ ने याची के अधिवक्ता से पूछा कि यह किस तरह की याचिका है? जो भी याची के मन में आता है, क्या वह रिट याचिका का विषय बन जाता है? अदालत ने कहा कि विधि छात्र से कहा कि ऐसी याचिका दायर करके आप बेवजह कोर्ट का कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। अपना समय बर्बाद करने के बजाय कुछ और अच्छा काम करें। सुनवाई के दौरान पीठ ने याची की तरफ से पेश अधिवक्ता से पूछा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित करने वाला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) क्या हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आ सकता है। सुनवाई के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से पेश हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आइसीसी के अलावा याचिका में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश हाई उच्चायोग भी याचिका के पक्षकार हैं। 'इस पर निर्णय लेने का मामला विदेश मंत्रालय पर छोड़ दें' पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई कोई भी दिशा-निर्देश आइसीसी या अन्य विदेशी संस्थाओं को जारी नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह भी कहा कि इस पर निर्णय लेने का मामला विदेश मंत्रालय पर छोड़ दें। पीठ ने कहा कि कोई याचिका न तो बांग्लादेश उच्चायोग को जा सकती है और न ही श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को ही जा सकती है। याचिकाकर्ता देवयानी सिंह ने अधिवक्ता पुलकित प्रकाश के माध्यम से याचिका दायर में विश्व कप में बांग्लादेश क्रिकेट टीम को भाग लेने से रोकने के निर्देश देने की भी मांग की गई थी। विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका मिलकर कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने बीसीसीआइ, आइसीसी, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को याचिका में प्रतिवादी बनाया है। अदालत का रुख देते हुए याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली।

दिल्ली में जापानी राजदूत ने हाथ से खाई बिरयानी, बोले- सुषी की तरह हाथ से खाने पर स्वाद और बढ़ जाता है

नई दिल्ली। भारत में जापान के राजदूत ने भारतीय खाने और संस्कृति के प्रति अपनी पसंद एक बार फिर जाहिर की है। हाल ही में उन्होंने दिल्ली में बिरयानी खाने का अनुभव साझा करते हुए कहा कि हाथ से खाने पर बिरयानी का स्वाद और भी बढ़ जाता है, ठीक वैसे ही जैसे जापान में सुषी हाथ से खाई जाती है। राजदूत ओनो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर नई दिल्ली के आंध्रा भावन से अपनी तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह बिरयानी खाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अपने भारतीय दोस्तों को देखकर मैंने भी हाथ से बिरयानी खाने की कोशिश की। सुषी की तरह, हाथ से खाने पर इसका स्वाद और बेहतर लगता है। मुझे लगता है कि मैं अपने दोस्तों के और करीब आ गया हूं। उन्होंने भारतीय संस्कृति में हाथ से भोजन करने की परंपरा की भी सराहना की। भारत में हाथ से खाना न सिर्फ परंपरा का हिस्सा है, बल्कि आयुर्वेद के अनुसार इससे स्वाद बढ़ता है और भोजन से गहरा जुड़ाव महसूस होता है। पहले हैदराबादी बिरयानी की कर चुके हैं तारीफ यह पहला मौका नहीं है जब जापानी राजदूत ने बिरयानी की प्रशंसा की हो। इससे पहले तेलंगाना दौरे के दौरान उन्होंने असली हैदराबादी बिरयानी का स्वाद लिया था और उसे मसालों से भरपूर और बेहद लाजवाब बताया था। उन्होंने लिखा था कि इसके स्वाद इतने शानदार हैं कि यह आदत डालने वाली डिश बन जाती है। सोशल मीडिया पर मिल रही सराहना राजदूत के इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, हाथ से खाने से ज्यादा आपकी सादगी और अपनापन लोगों को करीब लाता है। वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा, हाथ से खाने का अनुभव अलग ही संतुष्टि देता है, यह भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। एक यूजर ने लिखा, किसी दूसरी संस्कृति को इतने सम्मान से अपनाना ही वजह है कि भारतीय जापान और जापानी संस्कृति को पसंद करते हैं। गौरतलब है कि बिरयानी भारत की सबसे लोकप्रिय डिशेज में से एक है। साल 2025 में यह Swiggy पर सबसे ज्यादा ऑर्डर किया जाने वाला व्यंजन भी रहा।

पश्चिमी दिल्ली में दो शातिर अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने भगोड़ा और वाहन चोर को दबोचा

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी जिला पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। इसके लूट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा भगोड़ा अपराधी है, वहीं दूसरी कार्रवाई में राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने चोरी के दो वाहनों और मोबाइल फोन के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन गिरफ्तारियों से इलाके में चोरी और लूट के कई मामलों के सुलझने का दावा किया जा रहा है। पहले मामले में, पश्चिमी जिले के एएटीएस की पीओ सेल ने कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान रंजीत नगर निवासी मजहरुद्दीन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह राजिंदर नगर थाने में दर्ज लूट के एक मामले में वांछित था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। अदालत ने उसे 1 अगस्त 2025 को भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। टीम ने तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर राजिंदर नगर इलाके में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पर पूर्व में भी लूट के चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे आठ मामलों में संलिप्त रहा रवि दूसरी सफलता राजौरी गार्डन थाना अंतर्गत सुभाष नगर चौकी की टीम को मिली। 19 जनवरी की रात जब पुलिस टीम डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास गश्त पर थी, तभी उन्हें एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूटी घसीटते हुए दिखाई दिया। पुलिस को देख उसने भागने की कोशिश की, लेकिन पकड़ा गया। आरोपित की पहचान रघुबीर नगर निवासी रवि के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि स्कूटी राजौरी गार्डन से चोरी की गई थी। तलाशी के दौरान उसके पास से विकासपुरी से चोरी किया गया एक मोबाइल फोन और उसकी निशानदेही पर आदर्श नगर से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। रवि पूर्व में डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे आठ गंभीर मामलों में संलिप्त रहा है। आरोपी चोरी के वाहन को स्टार्ट करके ले जाने के बजाय खींचकर चुरा ले जाता था, ताकि कोई रास्ते में दिखे तो उसे लगे कि गाड़ी खराब है। साथ ही पुलिस बिना हेलमेट के होने का भी संदेह नहीं करती है। पश्चिमी जिले के डीसीपी दराडे शरद भास्कर ने बताया कि दोनों आरोपितों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के सुराग जुटाए जा रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने सद्दाम गोरी गैंग के हथियार सप्लायर को दबोचा, गैंगवार-रंगदारी की साजिश नाकाम

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने राजधानी में गैंगवार और रंगदारी की साजिश को नाकाम करते हुए सद्दाम गोरी गैंग के एक सक्रिय सदस्य और उसे हथियार मुहैया कराने वाले सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मुख्य आरोपित रवि उर्फ बुद्धी उर्फ जलेबी इलाके का घोषित अपराधी भी है और उस पर हत्या के प्रयास व लूट जैसे 14 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। डीसीपी के अनुसार, जिले में सक्रिय गैंगों और रंगदारी में शामिल अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एएटीएस को विशेष निर्देश दिए गए थे। दिल्ली एनसीआर के अपराधियों तक पहुंचाता था अवैध हथियार पूछताछ में आरोपित रवि ने खुलासा किया कि वह जेल में रहने के दौरान सद्दाम गोरी गैंग के संपर्क में आया था। वह इलाके के नशा तस्करों और अवैध शराब बेचने वालों से रंगदारी वसूलने की योजना बना रहा था। इसी मकसद को अंजाम देने के लिए उसने अवैध हथियार जुटाए थे। साथ ही वह दिल्ली एनसीआर के अपराधियों तक भी अवैध हथियार पहुंचाया करता है। एएटीएस की टीम ने 11 जनवरी को सूचना के आधार पर जाल बिछाकर सबसे पहले रवि को दबोचा। उसके पास से एक देसी कट्टा मिला। जब पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने हथियार की आपूर्ति करने वाले निशांत का नाम उगला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्तम नगर के हस्तसाल रोड से निशांत को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से एक और पिस्टल बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, आरोपित रवि ओम विहार, उत्तम नगर का निवासी है और एक आदतन अपराधी है। वह आसान पैसा कमाने के लिए सद्दाम गोरी गैंग के साथ मिलकर बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। वहीं, निशांत उसे हथियार सप्लाई करने का काम करता था। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन हथियारों का इस्तेमाल पूर्व में किन वारदातों में किया गया है।

दिल्ली-न्यूयॉर्क फ्लाइट में टूटी सीटें, गंदा वॉशरूम और, खराब सर्विस पर कंज्यूमर फोरम का एअर इंडिया पर एक्शन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय विमान में गंदे शौचालय से लेकर खराब खाने की कमी के खिलाफ पिता-पुत्री की याचिका पर नई दिल्ली की जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एअर इंडिया पर कार्रवाई की है। आयोग एअर इंडिया पर 1.5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। शैलेंद्र भटनागर सहित अन्य के आवेदन पर आयोग की अध्यक्ष पूनम चौधरी और सदस्य शेखर चंद्र की पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता मानसिक परेशानी और उत्पीड़न के लिए मुआवजे का हकदार है क्योंकि उन्हें वे सुविधाएं नहीं दी गईं, जिनके लिए काफी पैसे चार्ज किए गए थे। आयोग ने एअर इंडिया को शिकायतकर्ता और उसकी बेटी दोनों को 50,000-50,000 और मुकदमे के खर्च के तौर पर 50,000 देने का आदेश दिया। पिता-बेटी ने टूटी सीटों, खराब इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट व्यवस्था, गंदे शौचालय, खराब खाने की सेवा और केबिन क्रू से कोई जवाब न मिलने की शिकायत की थी। हालांकि, इसने टिकट की रकम वापस करने के अनुरोध को यह कहते हुए मना कर दिया कि यात्रियों ने यात्रा पूरी कर ली थी। शैलेंद्र भटनागर ने शिकायत दायर कर कहा कि सितंबर 2023 में अपनी बेटी के साथ मेक माई ट्रिप के जरिए बुक किए गए इकोनामी क्लास टिकट पर एअर इंडिया की दिल्ली-न्यूयार्क-दिल्ली फ्लाइट में यात्रा की थी। उन्होंने लंबी यात्रा के दौरान कई कमियों का आरोप लगाते हुए कहा कि एअर इंडिया विमान में टूटी सीटें से लेकर काम न करने वाली एंटरटेनमेंट स्क्रीन से लेकर गंदे शौचालय थे। इसके अलावा विमान के अंदर बदबू आ रही थी और खराब गुणवत्ता खाना और पेयजल दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद केबिन क्रू से कोई जवाब नहीं मिला। वहीं, एअर इंडिया ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि विमान की उड़ान से पहले रूटीन जांच की गई थी और उसे ऑपरेशन के लिए क्लियर कर दिया गया था।

तिहाड़ में बंद खतरनाक कैदियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी पेशी, पीडब्ल्यूडी ने जारी किया टेंडर; सुविधा पर कितना होगा खर्च

नई दिल्ली। तिहाड़ में बंद खतरनाक अपराधियों को पेशी पर ले जाने और वापस लाने की चुनौती बनी रहती है। अब इनकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी होगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने तिहाड़ जेल में वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा स्थापित करने के लिए निविदा जारी की है। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक इस पहल का उद्देश्य कुछ मामलों में कैदियों की डिजिटल तरीके से अदालत में पेशी को सुविधाजनक बनाना है। निविदा विवरण के अनुसार इस जेल परिसर परियोजना की अनुमानित लागत 9,52,445 रुपये निर्धारित की गई है। कार्य शुरू होने की तारीख से एक महीने के भीतर इसे पूरा करने का समय निर्धारित किया गया है। पीडब्ल्यूडी अदालती वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों का निर्माण करेगा, जिससे खतरे की आशंका वाले या किसी बीमारी से ग्रसित कैदियों को अदालतों से मंजूरी मिलने के बाद डिजिटल रूप से पेश किया जा सकेगा। नई दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल के केंद्रीय कारागार-एक परिसर में अदालत के वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों के निर्माण के लिए विद्युत कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। निविदा दस्तावेज के अनुसार यह कार्य वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग प्रायोगिक परियोजना के अंतर्गत किया जा रहा है। निविदा में तिहाड़ जेल के केंद्रीय कारागार-एक परिसर में अदालत के वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों के लिए आंतरिक विद्युतीकरण कार्य, बिजली आपूर्ति व्यवस्था और विद्युत स्थापना सहायता का प्रविधान है। इसमें तार लगाने का काम, वितरण बोर्डों की स्थापना, विद्युत पैनलों और अन्य संबंधित विद्युत फिटिंग करना भी शामिल है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया गुलदार, वन विभाग ने संभाला मामला

बिजनौर(सब का सपना):- जिले में वन्यजीवों की आवाजाही एक बार फिर सड़क हादसे की भेंट चढ़ गई। अफजलगढ़ ब्लॉक क्षेत्र में कालागढ़ मार्ग पर एक गुलदार शावक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। यह हादसा ग्राम रसूलपुर आबाद के मोरझेड़ी के पास सामने आया, जहां सड़क किनारे गुलदार का शव पड़ा मिला। सुबह खेतों की ओर जा रहे किसानों और मजदूरों ने सड़क पर गुलदार के शावक को मृत अवस्था में देखा। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है, जिसमें किसी अज्ञात वाहन ने गुलदार शावक को टक्कर मार दी। उप प्रभागीय वनाधिकारी के अनुसार मृत गुलदार नर है और उसकी उम्र लगभग सात वर्ष आंकी गई है। संभावना जताई जा रही है कि गुलदार अपने परिवार के साथ विचरण कर रहा था और सड़क पार करते समय यह हादसा हुआ। वन विभाग ने शावक के शव को सुरक्षित रखवाया है। पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार कराया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और सड़क पर वाहनों की तेज रफ्तार को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

बिना चेतावनी कार का दरवाजा खोलना पड़ा भारी, एक्सीडेंट से 90% हुए दिव्यांग को मिलेगा 84.65 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली। तीस हजारी जिला अदालत स्थित मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) ने अगस्त 2024 में हुए एक सड़क हादसे में 90 प्रतिशत दिव्यांगता का शिकार हुए युवक को 84.65 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी पूजा अग्रवाल ने यह आदेश याचिकाकर्ता रोशन कुमार साहू की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि सड़क पर खड़े वाहन का दरवाजा बिना किसी चेतावनी के खोलना गंभीर लापरवाही है और इसी लापरवाही का खामियाजा एक 21 वर्षीय युवक को जीवनभर भुगतना पड़ेगा। अचानक ड्राइवर साइड दरवाजा खोला याचिकाकर्ता ने कहा कि 20 अगस्त 2024 को वो अपनी मोटरसाइकिल से बुराड़ी स्थित एक बैंक शाखा जा रहा था। इसी दौरान कार चालक वहाबुद्दीन ने बिना संकेत दिए और बिना पीछे से आ रहे ट्रैफिक को देखे ड्राइवर साइड दरवाजा खोल दिया। जिससे उसकी मोटरसाइकिल सीधे खुले दरवाजे से टकरा गई और उसे गंभीर चोटें आई। उसे तत्काल सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर ले जाया गया। अदालत ने कहा, ऐसा करना लापरवाही अदालत ने कहा कि वाहन का दरवाजा बिना चेतावनी खोलना अपने आप में लापरवाही को दशार्ता है और यह साबित होता है कि दुर्घटना सीधे तौर पर चालक की इस लापरवाही का नतीजा थी। मेडिकल दस्तावेजके आधार पर ट्रिब्यूनल ने माना कि हादसे के बाद रोशन कुमार साहू को 90 प्रतिशत दिव्यांग हो गए, जिससे उनकी भविष्य की कमाई और सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कोई ठोस बचाव पेश नहीं किया ट्रिब्यूनल ने यह भी ध्यान में रखा कि हादसे के समय याचिकाकर्ता की उम्र महज 21 वर्ष थी और उसकी आय का आकलन दिल्ली में स्नातक श्रेणी के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन के आधार पर किया गया। मामले में प्रतिवादी ने झूठा फंसाए जाने का दावा किया। चालक ने खुद को डॉक्टर बताते हुए यह भी कहा कि उसने पहले घायल को अपनी क्लिनिक में प्राथमिक उपचार दिया और फिर अस्पताल पहुंचाया। वहीं, चालक ने अभियोजन पक्ष द्वारा बताए गए हादसे के तथ्यों से इन्कार भी नहीं किया और न ही कोई ठोस बचाव पेश किया। पूरी मुआवजा राशि जमा करने का निर्देश हादसे में शामिल वाहन रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से बीमित था। बीमा कंपनी ने पहले 1.24 लाख रुपये की कानूनी पेशकश की थी, जिसे याचिकाकर्ता ने अस्वीकार कर दिया। अदालत ने बीमा कंपनी को पूरी मुआवजा राशि जमा करने का निर्देश दिया है।

आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउंसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत, श्रीकांत भी अगले दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइजू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया। इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे क्योंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

अंडर-19 यूथ विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

विंडहॉक (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को

आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादोन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ । पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग

शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोर्डन तेजे ने किया।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

चेन्नई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये।अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : स्टब्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। (ईएमएस)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है। ।'

स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

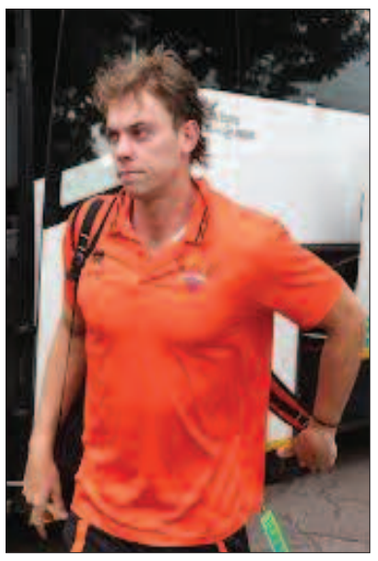

ऑस्ट्रेलियन ओपन : डेनियल मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न । रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया 2022 टीम और उससे पहले एशिया कप से श्रेयस अय्यर को बाहर रखने पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप से पहले ऐसे मुश्किल फैसले लेने के कई मौके आए हैं। मुझे 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान श्रेयस अय्यर की बात याद आती है। मुझे आज भी याद है कि हम वेस्टइंडीज में खेल रहे थे। राहुल भाई और मुझे हमेशा लगता था कि अगर आप ऐसे फैसले ले रहे हैं, तो यह जरूरी है कि उस खिलाड़ी को पता चले कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे याद है कि हमने श्रेयस को पूल के पास बुलाया, और राहुल भाई और मैंने दोनों ने उससे बात की कि वह उस एशिया कप और उसके बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा क्यों नहीं होगा।'

उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है। टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूज़ीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है। उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है। ऐसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा।उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दसरे के साथ तालमेल रखते हए काम करना होगा।

धनुष और मृणाल ठाकुर नहीं कर रहे शादी!

मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी को लेकर खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने इस बात को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ये बातें निराधार हैं और इनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।

धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी शुक्रवार की सुबह फैंस को खबर मिली कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और धनुष फरवरी 2026 में शादी करने वाले हैं। जैसे-जैसे यह खबर फैलती गई, फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब पता चला है कि फैंस को इस खुशी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। नई जानकारी के अनुसार, इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने बताया, मृणाल की शादी अगले महीने नहीं हो रही है। यह एक अफवाह है जो फैल चुकी है। सूत्र ने आगे बताया कि मृणाल की फिल्म दो दीवाने शहर में की रिलीज भी उसी डेट के आसपास है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

मृणाल ठाकुर से नहीं हो रही धनुष की शादी

सूत्रों के अनुसार, फरवरी में उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली है, तो वो रिलीज के इतने करीब शादी क्यों करेंगी? और फिर मार्च में उनकी एक और तेलुगू फिल्म रिलीज होने वाली है। मृणाल और धनुष काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब और कैसे शुरू हुआ ये सब

यह सब अगस्त 2025 में शुरू हुआ, जब मृणाल अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के प्रीमियर पर धनुष के आने पर उनसे मिलने दौड़ पड़ीं। इस पर इंटरनेट यूजर्स ने खूब तारीफ की और कहा कि धनुष खास तौर पर मृणाल को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में आए थे।

विक्रम फडनीस की फिल्म में लीड रोल प्ले करेंगी सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक नए और खास प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं। वह मशहूर फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस की अगली अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सैयामी के करियर का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है, जिसमें सैयामी लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की घोषणा करते हुए सैयामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सेट से पहली झलक साझा की। तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और आज हर खामोश दुआ अपने घर पहुंच गई। नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह मुझे आप सभी की दुआओं की जरूरत है। इस पोस्ट से सैयामी की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा है। इस फिल्म के जरिए विक्रम फडनीस निर्देशन में अपनी तीसरी फिल्म बना रहे हैं, जबकि यह उनकी पहली हिंदी निर्देशित फिल्म होगी। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2026 की इससे बेहतर शुरुआत वह नहीं चाह सकती थीं। इस फिल्म में सैयामी खेर के अलावा विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

किताब ब्लैक रिवर पर बेस्ड होगी सैफ की अगली फिल्म

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान हमेशा से ही अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वह दर्शकों के लिए कुछ खास लेकर आने की तैयारी में हैं। आने वाले दिनों में सैफ फिल्म हैवान में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच सैफ अली खान ने अपनी एक नई फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है। एक्टर ने बताया कि उनकी अगली फिल्म एक क्राइम-ड्रामा होगी, जो एक मशहूर उपन्यास पर बेस्ड है। सैफ ने खुलासा किया कि उन्होंने लेखिका निलंजना रॉय की किताब ब्लैक रिवर के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। सैफ के मुताबिक... ब्लैक रिवर उनकी पसंदीदा किताबों में से एक है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग रहा है। बता दें कि सैफ को आखिरी बार फिल्म ज्वेल थीफ में देखा गया था। इसके अलावा सैफ को आखिरी बार ज्वेल थीफ में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय फिल्म एक्ट्रेस कृति शेट्टी, बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का कोई टाइटल डिसाइड नहीं हुआ है। पूरी कास्ट और क्रू के बारे में और ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। बता दें कृति ने सुपर 30, एआरएम, श्याम सिंह रॉय, द वॉरियर, उप्पेना और बंगाराजू जैसी फिल्मों में काम किया है।

ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है। अमर उजाला डिजिटल से की गई बातचीत में रानी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है।

ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ थिएटर नहीं आती

ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं।

इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है

रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

कॉमेडी में नैतिकता अहम है

रकुल प्रीत सिंह जल्द ही आयुष्मान खुराना और दो एक्ट्रेसेज के साथ फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आने वाली हैं।

सीक्वल की शुरुआत कैसे हुई?

सच कहूं तो मैं पार्ट 2 को लेकर पहले दिन से ही बेहद उत्साहित थी। पहले पार्ट के अंत में ही कहानी को एक दिलचस्प मोड़ पर छोड़ा गया था, जहां आयशा का नायक के परिवार से मिलना तय था। मैं मजाक में अक्सर लव रंजन से पूछती रहती थी सर, पार्ट 2 कब बनेगी? लेकिन कोविड के चलते चीजें टलती रहीं। जब लव सर और अंशुल सर ने बताया कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नरेशन सुनते ही स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत हां कर दी। फिल्म में कॉमेडी सिर्फ संवादों में नहीं, बल्कि परिस्थितियों में भी है, जो इसे एक शानदार फैमिली एंटरटेनर बनाती है।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग कितनी पूरी हुई है?

फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। कुछ गाने और कुछ छोटे-मोटे पैचवर्क बाकी हैं, लेकिन हम जल्द ही इसे पूरा कर लेंगे। यह भी एक बहुत ही मजेदार प्रोजेक्ट होने वाला है।

क्या आप मल्टी-स्टारर फिल्म्स को लेकर अब ज्यादा चूजी हो गई हैं?

इस दौर में मेरे लिए सबसे अहम चीज इम्पैक्ट है। मुझे मल्टी-स्टारर फिल्मों से कोई परहेज नहीं है। पति, पत्नी और वो 2 भी एक मल्टी-स्टारर फिल्म है। मेरे लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। हर फिल्म आपके कंधों पर टिकी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन हर फिल्म में आपका किरदार यादगार होना चाहिए।

अजय के साथ बॉन्डिंग कैसी रही?

अजय सर को अक्सर फ्रैंकस्टर कहा जाता है, लेकिन यकीन मानिए न तो पहले पार्ट में और न ही इस बार उन्होंने मेरे साथ कोई फ्रैंक किया। वह खुद मजाक में कहते हैं कि मैं बचपन में फ्रैंक करता था, अब शांत हो गया हूं। उनके साथ काम करना सीखने जैसा होता है। वे बेहद सहज हैं और सेट पर माहौल हल्का रखते हैं, जिससे कलाकार खुलकर परफॉर्म कर पाते हैं।

आप किस तरह से किरदार की तैयारी करती हैं?

मेरा तरीका बहुत सरल है। जब मैं किसी सीन में होती हूं, तो सिर्फ उस पल और उस किरदार के भावनात्मक सच पर ध्यान देती हूं। मैं कभी यह सोचकर अभिनय नहीं करती कि मुझे यहां अच्छा दिखना है।

क्या फिल्मों में शादीशुदा महिला के रिश्ते को भारतीय दर्शक स्वीकार करेंगे?

मुझे नहीं लगता कि हमारी ऑडियंस अभी इस तरह के प्लॉट के लिए पूरी तरह तैयार है। पति पत्नी और वो जैसी फिल्मों में पुरुष की चालाकी और उसकी उलझनों से कॉमेडी पैदा होती है, जिसे दर्शक मनोरंजन के तौर पर देख लेते हैं। लेकिन अगर कोई कहानी नैतिक रूप से गलत लगती है, तो फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला, दर्शक उसे आसानी से स्वीकार नहीं करते। महिला के लिए ऐसा प्लॉट फिलहाल स्वीकार्य होना मुश्किल लगता है।

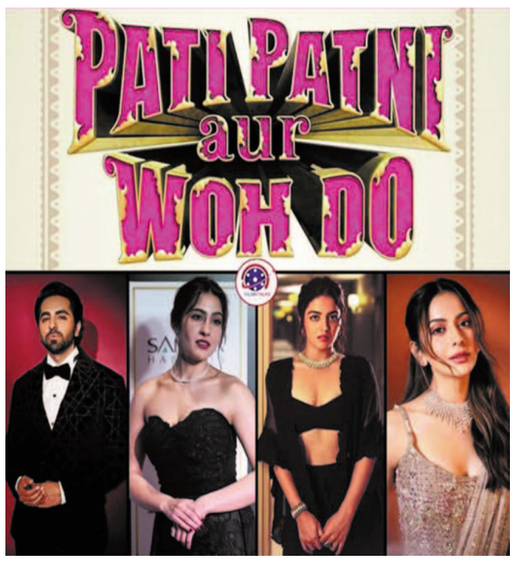

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।